रोकड़ प्रवाह विवरण

6

अभी तक आपने वित्तीय विवरणों के बारे में पढ़ा है; विशेष रूप से तुलन पत्र (एक विशिष्ट तिथि पर एक उद्यम की वित्तीय स्थिति को दर्शाते हुए) तथा आय विवरण (एक विशिष्ट अवधि के बाद एक उद्यम के प्रचालन क्रियाकलापों के परिणाम को दर्शाते हुए) सहित अध्ययन किया है। यहाँ पर एक तीसरा महत्त्वपूर्ण वित्तीय विवरण भी है जिसे *रोकड़ प्रवाह विवरण* के नाम से जानते हैं जो रोकड़ के अंतर्वाह तथा बाहिर्वाह एवं रोकड़ तुल्यराशियों (या तुल्यांकों) को दर्शाता है। यह विवरण प्राय: कंपनियों द्वारा तैयार किया जाता है जो वित्तीय सूचनाओं के उपयोगकर्ताओं के साधन के रूप में स्रोतों एवं रोकड़ के उपयोग जानने तथा एक उद्यम की विभिन्न क्रियाकलापों में एक अवधि के दौरान *उद्यम* की तुल्यराशियों को जानने के काम आता है। यह अध्याय रोकड़ प्रवाह विवरण से संबंधित है जिसने पिछले दशक में पर्याप्त महत्त्व अर्जित किया है। वित्तीय सूचनाओं के उपयोगकर्ताओं हेतु व्यावहारिक उपयोगिता के कारणवश है।

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय को पढ़ने के उपरांत आप :

- *रोकड़ प्रवाह विवरण के उद्देश्य तथा निर्माण की व्याख्या कर सकेंगे;*
- *प्रचालन क्रियाकलापों, निवेश क्रियाकलापों तथा वित्तीय क्रिया कलापों के बीच विभेद कर सकेंगे;*
- *प्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए रोकड़ प्रवाह का विवरण तैयार कर सकेंगे;*
- *अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए रोकड़ प्रवाह का विवरण तैयार कर सकेंगे।*

दि इंस्टियूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एसोसिएशन आफ इंडिया (ICAI) द्वारा जारी किया गया लेखांकन मानक-3 (AS-3), रोकड़ प्रवाह विवरण के निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण से संबंध रखता है। ले.मा.-3 (AS-3) में सभी सूचीकृत कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि वे वार्षिक आधार पर दूसरे वित्तीय विवरणों के साथ ही रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार एवं प्रस्तुत करें।

यहाँ यह ध्यानयोग्य है कि निधि प्रवाह विवरण अब लेखांकन व्यवहार हेतु प्रासंगिक नहीं रहा है, अत: इस अध्याय में व्याख्या नहीं की गई है। रोकड़ प्रवाह विवरण एक उद्यम की रोकड़ तुल्य राशियों तथा रोकड़ में बदलाव के संदर्भ में रोकड़ प्रवाह को प्रचालन, निवेश

© NCERT not to be republished

एवं वित्तीय क्रियाकलापों में वर्गीकृत करते हुए ऐतिहासिक जनिकारियाँ प्रदान करता है। इसके लिए अपेक्षित है कि एक उद्यम को रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करना चाहिए और उसे प्रत्येक लेखांकन अवधि में प्रस्तुत किया जाना चाहिए जिस अवधि में वित्तीय विवरण प्रस्तुत किए जाते हैं। वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ता यह जानने के लिए उत्सुक होते हैं कि उद्यम किस प्रकार रोकड़ तथा रोकड़ तुल्यराशियों का अर्जन व उपयोग करता है।

इससे कोई अंतर नहीं पड़ता कि उद्यम क्रियाकलापों की प्रकृति क्या है। साथ ही यह विवरण इस कथन से भी निरपेक्ष है यदि उद्यम रोकड़ को उत्पाद के रूप में दर्शाता है जैसे कि वित्तीय संस्थानों की स्थिति में होता है।

6.1 रोकड़ प्रवाह विवरण के उद्देश्य

एक रोकड़ प्रवाह विवरण एक कंपनी की एक अवधि-विशेष में विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा रोकड़ का अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह तथा रोकड़ तुल्यराशियों को दर्शाता है। रोकड़ प्रवाह विवरण का प्राथमिक उद्देश्य एक उद्यम की एक अवधि विशेष के दौरान विभिन्न (क्रियाकलापों के) शीर्षों जैसे कि प्रचालन क्रियाकलाप, निवेश क्रियाकलाप तथा वित्तीय क्रियाकलापों में रोकड़ प्रवाह (अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह) के बारे में उपयोगिता पूर्व सूचना प्रदान करना है।

यह सूचना वित्तीय विवरण के उपयोगकों या उपयोगकर्ताओं के उपयोगिता पूर्ण होती है; क्योकि यह एक उद्यम की रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांकों को पैदा करने की क्षमता तथा इन रोकड़ प्रवाहों को उद्यम द्वारा उपयोग की आवश्यकताओं के लिए मूल्यांकन हेतु आधार प्रदान करती है। आर्थिक निर्णय जो उपयोगकों द्वारा लिए जाते हैं उन्हें एक उद्यम के द्वारा रोकड़ तथा रोकड़ तुल्यांकों को पैदा करने की क्षमता तथा उनकी उत्पत्ति के लिए सामयिकता एवं सुनिश्चिता की क्षमता को मूल्यांकित करने की आवश्यकता होती है।

6.2 रोकड़ प्रवाह विवरण के लाभ

रोकड़ प्रवाह विवरण निम्नलिखित लाभ प्रदान करता है:

- एक रोकड़ प्रवाह विवरण जब अन्य वित्तीय विवरणों के साथ उपयोग किया जाता है तब वह ऐसी सूचनाएं प्रदान करता है जो एक उद्यम की निवल परिसंपत्तियों में बदलाव तथा उसके वित्तीय ढाँचे (तरलता एवं ऋणशोधन क्षमता सहित) को मूल्यांकित करने तथा बदलती परिस्थितियों एवं अवसरों में अनुकूल रोकड़ प्रवाह की सामयिकता तथा राशि की प्रभावशीलता की क्षमता जानने में मदद करता है।
- रोकड़ प्रवाह सूचना एक उद्यम की रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांकों को पैदा करने की क्षमता को मूल्यांकित करने में उपयोगी होती है और उपयोगकों को वर्तमान मूल्य को भविष्य में विभिन्न व्यावसायिक इकाइयों के रोकड़ प्रवाह की तुलना एवं मूल्यांकन के प्रतिमान को विकसित करने में सक्षम बनाती है।

© NCERT not to be republished

- इसके साथ ही यह विभिन्न उद्यमों की प्रचालन दक्षता एवं रिर्पोटिंग की तुलनात्मकता को बढ़ाता है क्योंकि यह एक ही लेनदेन एवं घटना के लिए विभिन्न लेखांकन निरूपणों के प्रभावों को समाप्त करता है।
- ऐतिहासिक रोकड़ प्रवाह सूचना को प्राय: भविष्य के रोकड़ प्रवाह की राशि, सामयिकता तथा निश्चितता के संकेतक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके साथ ही भावी रोकड़ प्रवाह के परिशुद्धता के पूर्व मूल्यांकनों को जाँचने में सहायक होते हैं और लाभ प्रदता तथा निवल रोकड़ प्रवाह तथा परिवर्तनीय मूल्यों के प्रभाव के बीच संबंधों की जाँच करने में सहायक होते हैं।

6.3 रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ

जैसा कि पहले बताया गया है कि रोकड़ प्रवाह विवरण एक उद्यम की एक अवधि-विशेष के दौरान विभिन्न क्रियाकलापों से रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांकों के अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह को दर्शाते हैं। ले. मा. – 3 (AS-3) के अनुसार 'रोकड़' के अंतर्गत हस्तस्थ रोकड़ तथा बैंक के साथ माँग जमा तथा रोकड़ तुल्यराशियाँ का तात्पर्य अल्प कालिक उच्च तरलता निवेशों से है जो कि तत्काल रोकड़ की राशि में परिवर्तनीय के रूप में जाने जाते हैं और जो कि अपने मूल्य परिवर्तन के जोखिम हेतु महत्त्वपूर्ण नहीं समझे जाते हैं। उदाहरण के लिए लघु अवधि निवेश प्रपत्र निन्हें रोकड़ में सहजता पूर्वक बदला जा सकता है। इस प्रकार से रोकड़ तुल्यराशियों को ऐसे निवेशों के रूप में संकेतित किया जाता है जो कि अल्प कालिक रोकड़ सुपुदर्गी-प्रतिबद्धता को पूरा करने के उद्देश्य से धारित किए जाते हैं न कि निवेश या किसी अन्य उद्देश्य हेतु होते हैं। एक निवेश समान्यत: एक रोकड़ तुल्यांक की योग्यता तभी पाता है जब उसके परिपक्वता अवधि अत्यंत लघुकालिक होती है यानि कि तीन माह या प्राप्ति तिथि से कम की हो। अंशों में निवेश को रोकड़ तुल्यांकों से तब तक बाहर रखते हैं जबकि वे ठोस या पर्याप्त रूप से रोकड़ तुल्यराशि/तुल्यांक न हों। उदाहरण के लिए एक कंपनी के अधिमान अंश अपनी मोचन तिथि से ठीक थोड़ा पहले प्राप्त किए जाते हैं बशर्ते कि कंपनी को इनकी परिपक्वता पर भुगतान करने की असफलता का जोखिम बिल्कुल ही महत्वहीन हो।

6.4 रोकड़ प्रवाह

'रोकड़ प्रवाह' से आश्य गैर-रोकड़ मदों के रोकड़ के आवक एवं जावक (अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह) से है। एक और रोकड़ मद की रोकड़ के रूप में प्राप्ति को रोकड़ अंतर्वाह कहा जाता है। जबकि ऐसे मद के लिए रोकड़ के भुगतान को बाहिर्वाह रोकड़ प्रवाह के रूप में जाना जाता है। उदाहरण के लिए नकद भुगतान द्वारा मशीनरी की खरीद रोकड़ बाहिर्वाह है जबकि एक मशीन की नकद बिक्री के लिए प्राप्त रोकड़ को रोकड़ अंतर्वाह के रूप में जाना जाता है।

ले.मा.-3 के अनुसार वित्तीय क्रियाकलापों के निवेश तथा उन मदों के बीच क्रियाकलाप से बाहर रखता है जो रोकड़ या रोकड़ तुलयांकों को संघटित करते हैं क्योंकि ये घटक एक उद्यम के रोकड़ प्रबंधन का एक भाग होते हैं न कि इसके प्रचालन के रोकड़ प्रबंधन में रोकड़ तुल्यराशियों में रोकड़ आधिक्य का निवेश भी शामिल होता है। इसीलिए विक्रय प्रतिभूतियों की खरीद या अल्पकालिक

© NCERT not to be republished

वह निवेश जो कि रोकड़ तुल्यांक संघटित होता है, उसे रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय ध्यान नहीं दिया जाता है।

6.5 रोकड़ प्रवाह विवरण के तैयार करने हेतु क्रियाकलापों का वर्गीकरण

आप जानते हैं कि एक उद्यम को विभिन्न क्रियाकलापों के परिणाम स्वरूप रोकड़ प्रवाह (अंतर्वाह या रोकड़ प्राप्ति तथा बाहिर्वाह या भुगतान) होता है जो कि रोकड़ प्रवाह की विषय-वस्तु होती है। ले.मा.-3 के अनुसार इन क्रियाकलापों को तीन वर्गों में वर्गीकृत किया गया है : (1) प्रचालन (2) निवेश और (3) वित्तीय क्रियाकलाप; ताकि इन्हें इन तीनों क्रियाकलापों से उत्पन्न रोकड़ प्रवाह को अलग-अलग दर्शाया जा सके। यह रोकड़ प्रवाह विवरण एक उद्यम की वित्तीय स्थिति में इन क्रियाकलापों के प्रभाव को मूल्यांकित करने में मदद करता है और इसके साथ ही इनमें रोकड़ और रोकड़ तुल्यांकों को जानने में भी मददगार होता है।

6.5.1 प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़

ले.मा.-3 के अनुसार प्रचालन क्रियाकलाप वे क्रियाकलाप हैं जिनमें एक उद्यम की प्राथमिक या प्रमुख क्रियाकलाप संघटित होती हैं। उदाहरण के लिए, एक कंपनी के लिए पोशाकें बनाना, कच्चे सामान को जुटाना, निर्माण खर्चों का उभरना, पोशाकों की बिक्री, आदि। ये एक उद्यम के प्रधान या प्रमुख आमदनी अर्जक क्रियाकलाप (या मुख्य क्रियाकलाप) हैं तथा यह वह क्रियाकलाप हैं जिसमें निवेश या वित्तीय गतिविधि शामिल नहीं है। प्रचालन में रोकड़ की राशि कंपनी के आंतरिक ऋणशोधन क्षमता स्तर का संकेत देती हैं। ले.मा. — 3 के अनुसार प्रचालन गतिविधियों से अर्जित रोकड़ प्रवाह को प्रमुख संकेतक माना जाता है जोकि उद्यम का प्रचालन है और एक उद्यम की प्रचालन क्षमता को बनाए रखने के लिए पर्याप्त रोकड़ प्रवाह उत्पन्न करता है, लाभांशों को चुकाता है, नए निवेशों को करता है तथा रोकड़ प्रवाह के विशिष्ट घटकों के बारे में सूचना अन्य सूचनाओं के साथ संयोजन में भावी प्रचालन रोकड़ प्रवाह के पूर्वानुमान हेतु मदद करता है।

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह उद्यम की मुख्य क्रियाओं से प्राप्त किया जाता है; इसीलिए सामान्यत: लेन-देनों एवं अन्य घटनाओं का परिणाम होते हैं जोकि निवल लाभ या हानि में प्रविष्ट होते हैं। प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह के उदाहरण यह हैं:

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह

- सामान की बिक्री तथा सेवाओं को देने से रोकड़ प्राप्तियाँ
- रायल्टी, फीस, कमीशनों तथा अन्य रोकड़ प्राप्तियाँ

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ बाहिर्वाह

- माल एवं सेवाएं हेतु नकद भुगतान
- कर्मचारियों तथा उनके माध्यम से अन्य व्यक्ति को नकदी भुगतान
- आयकर हेतु नकद भुगतान या वापसी जब तक कि इन्हें वित्तीय एवं निवेशन क्रियाकलापों के साथ स्पष्टीकृत न किया जा सके।

not to be republished © NCERT

प्रचालन रोकड़ प्रवाह के मामलों में निवल स्थिति को दर्शाया जाता है।

कुछ लेनदेन जैसे कि संयंत्र के किसी एक मद की बिक्री से लाभ या हानि में उछाल आ सकता है जिसे कि निवल लाभ या हानि के निर्धारण में सम्मिलित किया जाता है। हालांकि, ऐसे लेन-देनों से संबंधित रोकड़ प्रवाह निवेशन क्रियाकलापों से होते हैं जिनके बारे में बाद में विस्तार से परिचर्चा की गई है।

एक उद्यम सौदा निपटान या व्यापारिक उद्देश्य के लिए ऋणों एवं प्रतिभूतियों को धारित कर सकता है, तब ऐसे मामलों में वे पूर्व बिक्री के लिए विशेष रूप से अपेक्षित मालसूची के समान होते हैं। प्रतिभूतियों के निपटान या व्यापार की बिक्री एवं खरीद से पैदा होने वाले रोकड़ प्रवाह को प्रचालन क्रियाकलापों में वर्गीकृत किया जाता है। ठीक इसी प्रकार से वित्तीय उद्यमों द्वारा तैयार किया गया रोकड़ अग्रिम एवं ऋण आदि को प्राय: प्रचालन क्रियाकलाप के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, चूंकि ये उद्यम के प्रमुख क्रियाकलापों से संबंद्ध होते हैं।

6.5.2 निवेश क्रियाकलापों से रोकड़

निवेश क्रियाकलापों के अंतर्गत दीर्घकालिक परिसंपत्तियों या स्थिर परिसंपत्तियों की खरीद और बिक्री समाहित होती है जैसे कि मशीनरी, फ़र्नीचर, भूमि एवं भवन आदि। दीर्घकालिक निवेशों से संबंधित लेन देन भी निवेश क्रियाकलाप माने जाते हैं। ले.मा.-3 के अनुसार, निवेश क्रियाकलाप दीर्घकालिक परिसंपत्तियों की प्राप्ति एवं निपटान तथा वे अन्य निवेश जो रोकड़ तुल्यांकों में शामिल न हों, में आते हैं।

निवेश क्रियाकलापों का पृथक रूप से प्रस्तुतीकरण महत्त्वपूर्ण है क्योंकि ये उन मदों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो भविष्य की आय एवं रोकड़ प्रवाह के पैदा करने के संसाधनों में अर्जित खर्चों के लिए किए गए हैं। जिन निवेश क्रियाकलापों से अलग रोकड़ प्रवाह पैदा होता है उनके कुछ उदाहरण ये हैं:

निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ बाहिर्वाह

- स्थिर परिसंपत्तियों को प्राप्त करने के लिए नकद भुगतान जिनमें अगोचर एवं पूँजीकृत अनुसंधान एवं विकास आते हैं।
- अंश अधिपत्र या ऋण प्रपत्रों को अन्य उद्यमों से प्राप्त करने पर नकद भुगतान जो कि रोकड़ तुल्यांकों या व्यापार उद्देश्य के अतिरिक्त प्रपत्र माने जाते हैं।
- तीसरी पार्टी को रोकड़ अग्रिम एवं ऋण देना (वित्तीय उद्यमों द्वारा अग्रिम एवं ऋणों के देने के अलावा, जहाँ यह प्रचलन क्रियाकलाप माना जाता है)।

निवेश क्रियाकलापों से रोक अंतर्वाह

- आमूर्त परिसंपत्ति सहित स्थिर परिसंपत्तियों के निपटान से नकद प्राप्तियाँ
- तीसरी पार्टी को दिए गए ऋणों एवं पेशगी के परिशोधन से प्राप्त रोकड़ (केवल वित्तीय उद्यमों को छोड़कर)।
- ऋणों एवं अग्रिमों ब्याज की रोकड़ में प्राप्ति।
- अन्य उद्यमों में निवेशों से प्राप्त लाभांश।

© NCERT not to be republished

6.5.3 वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़

जैसा कि नाम संकेतित करता है, वित्तीय कियाकलापों का संबंध दीर्घकालिक निधियों या एक उद्यम की पूँजी से है। उदाहरण के रूप में समता अंश, ऋणपत्रों के निर्गमन की प्राप्ति में रोकड़, बैंकों से ऋण उगाहना या बैंक ऋणों का मोचन आदि। ले.मा.-3 के अनुसार वित्तीय क्रियाकलाप वे क्रियाकलाप है जिनके परिणाम स्वरूप स्वामित्व पूँजी (यदि एक कंपनी है तो अधिमान अंश पूँजी सहित) और उद्यमों से ऋण या कर्ज उठाने के संघटन एवं आकार में परिवर्तन आता है। वित्तीय क्रियाकलापों का रोकड़ प्रवाह के लिए अलग प्रकरण महत्त्वपूर्ण होता है क्योंकि एक उद्यम निधि प्रदानकर्ता (पूँजी एवं ऋण दोनों) के द्वारा भावी दावों का अनुमान लगाने में उपयोगी होता है। वित्तीय क्रियाकलापों के उदाहरण हैं:

वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह

- अंश निर्गम एवं अन्य समान प्रपत्रों के निर्गम से रोकड़ प्राप्तियां।
- ऋणपत्रों, कर्जों, बंधपत्रों एवं अन्य अल्प या दीर्घकालिक ऋणों से रोकड़ प्राप्तियां।

वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ बाहिर्वाह

- उधार ली गई राशि की नकद चुकौती।
- ऋणों, ऋणपत्रों तथा पेशगियों पर ब्याज भुगतान
- समता एवं अधिमान पूँजी पर लाभांश भुगतान

यहाँ पर यह बताना महत्त्वपूर्ण है कि एक लेन देन में ऐसा रोकड़ प्रवाह भी शामिल हो सकता है जिसे भिन्न रूप से वर्गीकृत किया गया हो। उदाहरण के लिए, जब एक स्थिर परिसंपत्ति का अर्जन विभिन्न भुगतान आधारों पर होता है जिसमें ब्याज एवं ऋण दोनों शामिल होते हैं तब ब्याज को वित्तीय क्रियाकलाप में वर्गीकृत किया जाता है। इसके अतिरिक्त, भिन्न उद्यमों के लिए भिन्नता पूर्वक वर्गीकृत किया जाता है तथा ऋण को निवेश क्रियाकलाप के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। उदाहरण के लिए अंशों की खरीद अंश दलाली हेतु एक प्रचालन क्रियाकलाप है जबकि अन्य उद्यमों के लिए एक निवेश क्रियाकलाप है।

© NCERT not to be republished

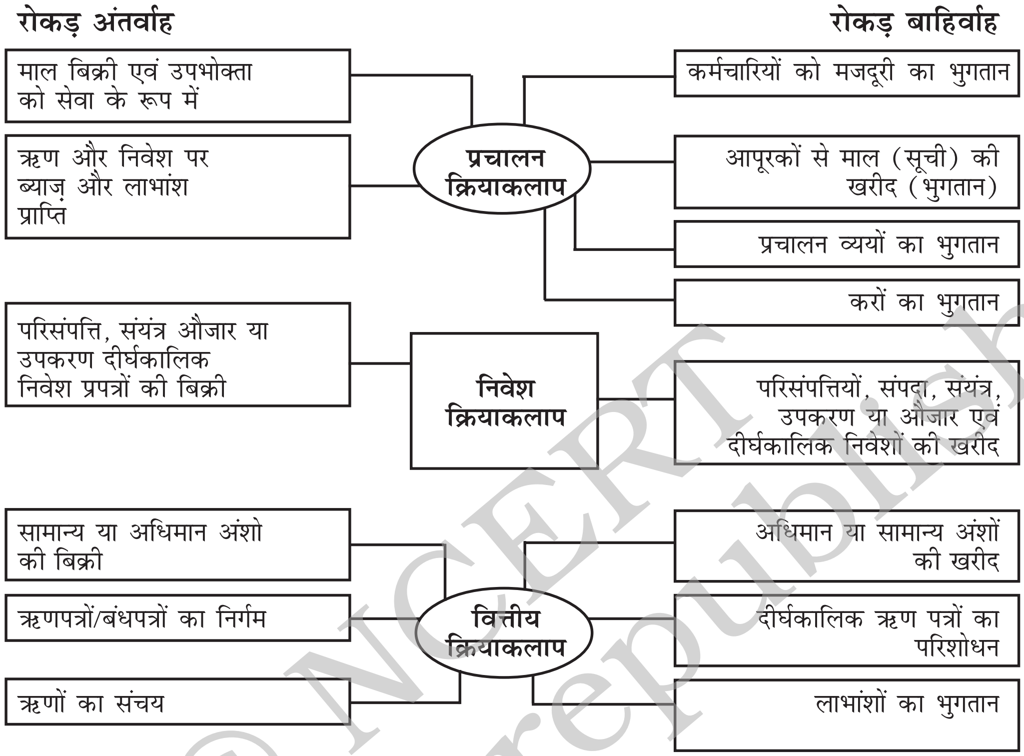

चित्र 6.1: *रोकड़ अंतर्वाह एवं रोकड़ बाहिर्वाह का वर्गीकरण*

6.5.4 कुछ विशिष्ट (व्यक्तिगत) मदों का निरूपण

असाधारण मदें

असाधारण मदें सामान्य परिदृश्य नहीं होती हैं। उदाहरण के रूप में चोरी या भूकंप अथवा बाढ़ के कारण हुई क्षति या हानि। असाधारण मदें प्रकृति में गैर–पुनरार्वतक होती हैं और इसी कारण असाधारण मदों के साथ जुड़े रोकड़ प्रवाह को प्रचालन, निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से अलग हटकर प्रकट किया जाना चाहिए। इसे ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि उपयोगकर्ता उसकी प्रकृति एवं एक उद्यम के वर्तमान एवं भावी रोकड़ प्रवाह पर प्रभाव को समझने में सक्षम हो।

ब्याज व लाभांश

यदि कोई वित्तीय उद्यम (जिसका प्रमुख कार्य ऋण का लेन देन है) ब्याज देता, ब्याज प्राप्तियां और लाभांश प्राप्त करता है तो उसे प्रचालन क्रियाकलाप के अंतर्गत वगीकृत किया जाता है जबकि लाभांश के भुगतान को वित्तीय क्रियाकलाप में किया जाता है।

© NCERT not to be republished

गैर–वित्तीय उद्यमों के संदर्भ में, ले.मा.–3 के अनुसार, ब्याज और लाभांश के भुगतान को वित्तीय क्रियाकलापों के रूप में वर्गीकृत करना उपयुक्त समझा जाता है जब की ब्याज और लाभांश से प्राप्तियों को निवेशन क्रियाओं से वर्गीकृत किया जाता है।

आय एवं लाभों पर कर

कर जो आयकर (लाभों पर कराधान) पूँजी लाभ पर कर, लाभांश पर कर (अंश धारकों को लाभांश के रूप में वितरित की गई राशि पर कर) आदि हो सकते हैं। ले.मा.–3 के अनुसार आय पर कर से अर्जित रोकड़ प्रवाह को पृथक रूप से दर्शाया जाएगा और उसे प्रचालन क्रियाकलापों से अर्जित रोकड़ प्रवाह के रूप में वर्गीकृत करेंगे जब तक कि उसकी पहचान वित्तीय अथवा निवेशन क्रियाकलापों के रूप में न की गई हो।

- प्रचालन लाभों पर करों को प्रचालन रोकड़ प्रवाह के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए।
- लाभांश कर अर्थात लाभांश पर चुकाये गए कर को लाभांश भुगतान के साथ वित्तीय क्रियाकलाप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए।
- पूँजी लाभ पर कर स्थिर परिसंपित्तयों की बिक्री पर चुकाया जाता है, उसे निवेशन क्रियाकलापों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

गैर–रोकड़ लेन देन

ले.मा.–3 के अनुसार, जिन निवेश एवं वित्तीय लेन देनों के लिए रोकड़ या रोकड़ तुल्यांकों की आवश्यकता नहीं होती है, उन्हें रोकड़ प्रवाह विवरण से बहिष्कृत रखना चाहिए। ऐसे लेन देनों के उदाहरण हैं: समता अंशों के निर्गमन द्वारा ऋण पत्र का मोचन। ऐसे लेन देनों को वित्तीय विवरणों में कहीं अन्य तरीकों से व्यक्त किया जाना चाहिए जो उन निवेशों एवं वित्तीय क्रियाकलापों के बारे में उपयुक्त सभी जानकारी प्रदान कर सके। इसी कारण, अंश के निर्गम द्वारा प्राप्त किए गए स्कन्ध को रोकड़ प्रवाह विवरण में नहीं व्यक्त किया जाना चाहिए।

इन तीनों वर्गीकरणों के साथ रोकड़ प्रवाह विवरण को चित्र 6.1 में दर्शाया गया है।

रोकड़ प्रवाह विवरण
(मुख्य शीर्ष केवल)

(क) प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	xxx
(ख) निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	xxx
(ग) वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	xxx
निवल रोकड़ प्रवाह (क + ख + ग)/ वर्ष के दौरान उपयोग	xxx
+ प्रारंभ में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	xxx
= अंत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	xxx

चित्र 6.1: *रोकड़ प्रवाह विवरण – का प्रारुप*

© NCERT not to be republished

स्वयं जाँचिये - 1

निम्नलिखित क्रियाकलापों को प्रचालन क्रियाकलाप, निवेश क्रियाकलाप, वित्तीय क्रियाकलाप, रोकड़ क्रियाकलाप में वर्गीकृत कीजिए।

1.	मशीनरी की खरीद	2.	समता अंश पूँजी के निर्गमन से प्राप्तियाँ
3.	नकद बिक्री	4.	दीर्घकालिक उधारों से प्राप्तियाँ
5.	पुरानी मशीनरी की बिक्री से प्राप्तियाँ	6.	देनदारों से नकद प्राप्तियाँ
7.	व्यापारिक कमीशन प्राप्ति	8.	विनियोग का क्रय
9.	अधिमान अंशों का मोचन	10.	नकद खरीद
11.	निवेशों की बिक्री से प्राप्तियाँ	12.	ख्याति का क्रय
13.	आपूरकों को नकद भुगतान	14.	समता अंशों पर अंतरिम लाभांश भुगतान
15.	मजदूरी एवं वेतन का भुगतान	16.	एकस्व की बिक्री से प्राप्तियाँ
17.	निवेश के रूप में धारित ऋण पत्र पर ब्याज	18.	दीर्घकालिक ऋणों पर ब्याज भुगतान
		20.	निर्माण उपरी लागत का भुगतान
19.	कार्यालय एवं प्रशासनिक व्यय भुगतान		
21.	अंशों पर प्राप्त लाभांश के निवेश के रूप में रखना किराया	22.	निवेश के रूप में रखी गई संपदा पर प्राप्त
23.	बिक्री एवं वितरण व्यय भुगतान	24.	आयकर भुगतान
25.	अधिमान अंशों पर लाभांश भुगतान	26.	अधिगोपन कमीशन का भुगतान
27.	किराया भुगतान	28.	निवेश की खरीद पर दलाली भुगतान
29.	बैंक ओवर ड्राफ्ट	30.	नकद जमा
31.	अल्पकालिक जमा	32.	विक्रय प्रतिभूतियां
33.	आयकर वापसी प्राप्ति		

6.6 प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह

एक उद्यम में प्रचालन क्रियाकलाप आय एवं व्ययों का मुख्य स्रोत होते हैं। इसलिए, प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह को विशेष ध्यान की आवश्यकता होती है।

लेखा मानक-3 के अनुसार, एक उद्यम को प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह की रिपोर्ट इनमें से किसी एक का उपयोग करना चाहिए:

- प्रत्यक्ष विधि जहाँ सकल रोकड़ प्राप्तियों तथा सकल रोकड़ तुल्य राशियों के प्रमुख वर्ग व्यक्त किए जाते हैं।

या

- अप्रत्यक्ष विधि जहां निवल लाभ या हानि को यथानुसार निम्न के प्रभाव से समायोजित किया जाता है: (1) गैर-रोकड़ प्रकृति के लेन देन, (2) भूतकालिक/भविष्यकालिक रोकड़ प्राप्तियों में

© NCERT not to be republished

कोई विलंबन या प्रोदुभवन, (3) निवेश या वित्तीय रोकड़ प्रवाह से संबंद्ध आय एवं व्यय के मद। यहाँ पर यह ध्यान रखना महत्त्वपूर्ण है कि अप्रत्यक्ष विधि के अंतर्गत एक उद्यम के प्रारंभिक बिंदु आय विवरण के अनुसार निवल लाभ व हानि है। इसके बाद यह राशि गैर-रोकड़ मदें आदि प्रचालन क्रियाकलापों से अभिनिश्चित रोकड़ प्रवाह के लिए समायोजित की जाती हैं।

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को प्रत्यक्ष विधि अथवा अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए यथानुसार सुनिश्चित किया जा सकता है। इन विधियों की विस्तृत परिचर्चा निम्नवत है।

6.6.1 प्रत्यक्ष विधि

जैसा कि नाम संकेत देता है, इस विधि के अंतर्गत रोकड़ अंतर्वाह एवं रोकड़ बाहिर्वाह (जैसे देनदारों से प्राप्त रोकड़ या वेतन भुगतान आदि) के प्रमुख शीर्षों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

यहाँ पर यह ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है कि लाभ व हानि खाते में मदों का अभिलेखन प्रोदभवन के आधार पर होता है। इसी कारण, इन्हें रोकड़ आधार में परिवर्तित करते हुए कुछ निश्चित समायोजन करने होते हैं जैसे कि निम्न हैं:

1. उपभोक्ता से रोकड़ प्राप्ति = विक्रय + देनदार एवं प्रारंभिक प्राप्य विपत्र – देनदार एवं अंतिम देय विपत्र
2. पूर्तिकारकों को नकद भुगतान = क्रय + लेनदार एवं प्रारंभिक विपत्र – लेनदार - अंतिम देय विपत्र।
3. क्रय = बेचे गए माल की लागत – प्रारंभिक स्टॉक + अंतिम स्टॉक
4. रोकड़ व्यय = प्रोद्भवन आधार पर व्यय + प्रारंभ में पूर्वदत्त व्यय एवं अंत में बकाया व्यय + अंत में पूर्वदत्त व्यय और प्रारंभ में बकाया व्यय।

हालाँकि, निम्नलिखित मदों पर विचार नहीं किया जाता है:

1. गैर-रोकड़ मदें जैसे कि ह्रास, अंशों पर बट्टा आदि को अपलिखित किया जाएगा।
2. वे मदें जिन्हें निवेश या वित्तीय क्रियाकलापों में वर्गीकृत किया गया है। जैसे कि ब्याज प्राप्तियाँ, लाभांश भुगतान आदि।

लेखा मानक-3 के अनुसार प्रत्यक्ष विधि के अंतर्गत सकल रोकड़ प्राप्तियों तथा रोकड़ भुगतानों के प्रमुख वर्गों के बारे में सूचनाओं को निम्नानुसार किसी से प्राप्त की जा सकती है:

उद्यम के लेखांकन अभिलेखनों से, या

विक्रय एवं अन्य मदों की बिक्री लागत को लाभ-हानि विवरण में निम्नुासार समायोजित किया जा सकता है:

मालसूचियों एवं प्रचालन प्राप्तियों और देयों की अवधि में परिवर्तन;

अन्य गैर-रोकड़ मदें, और

अन्य मदें जिसके लिए निवेश या वित्तीय रोकड़ प्रवाहों में रोकड़ प्रभावित करता है।

चित्र 6.2 प्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह के प्रारूप को दर्शाता है।

© NCERT not to be republished

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
उपभोक्ताओं से रोकड़ प्राप्तियाँ		xxx
(–)	कर्मचारियों एवं पूर्तिकारों को नकद भुगतान	xxx
=	क्रियाकलापों से जनित रोकड़	**xxx**
(–)	आयकर भुगतान (प्रदत)	xxx
=	असाधारण मदों से रोकड़ प्रवाह	**xxx**
+/–	असाधारण मद	xxx
=	प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़	**xxxx**

चित्र 6.2: *प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का प्रारूप*

उधाहरण 1

निम्नलिखित जानकारियों से प्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को परिकलित कीजिए।

लाभ व हानि खाता
वर्षान्त 31 मार्च, 2006 को

नाम *जमा*

विवरण	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
बेचे गए माल की लागत	1,20,000	विक्रय	2,20,000
सकल लाभ	1,00,000		
	2,20,000		**2,20,000**
वेतन	30,000	सकल लाभ	1,00,000
बीमा की किस्त	8,000		
मूल्यह्रास	20,000		
आयकर	10,000		
निवल लाभ	32,000		
	1,00,000		**1,00,000**

अतिरिक्त सूचना

	1 अप्रैल, 2005 (रु.)	*31 मार्च, 2006 (रु.)*
देनदार	25,000	30,000
प्राप्त विपत्र	8,000	6,000
लेनदार	17,000	15,000

© NCERT not to be republished

स्टॉक	22,000	27,000
बकाया वेतन	2,000	3,000
पूर्वदत्त बीमा	5,000	5,500
बकाया आयकर	3,000	2,000

हल

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	रु.
उपभोक्ताओं से रोकड़ प्राप्तियाँ	2,17,000
पूर्तिकारों को रोकड़ से रोकड़ प्राप्तियाँ	(1,27,000)
पूर्तिकारों को रोकड़ भुगतान	(29,000)
कर्मचारियों को रोकड़ (नकद) भुगतान	(8,500)
बीमा प्रीमियम हेतु रोकड़ भुगतान	52,500
आयकर भुगतान	(11,000)
प्रचालनों से निवल रोकड़ प्रवाह	**41,500**

कार्यकारी टिप्पणी

1. निम्नानुसार परिकलित रोकड़ प्राप्तियाँ उभोक्ताओं से प्राप्त हुई है:
   उपभोक्ताओं से रोकड़ प्राप्तियां = विक्रय + देनदार एवं प्रारंभिक प्राप्य विपत्र
   = 2,20,000 (रु.)+ 25,000 रु. + 8,000 रु. – 30,000 रु. – 6,000 रु.
   = 2,17,000 रु.
2. क्रय = बेचे गए माल की लागत – प्रारंभिक स्टॉक + अंतिम स्टॉक
   = 1,20,000 रु. – 22,000 रु. + 27,000 रु.
   = 1,25,000 रु.
3. आपूर्तिकर्ता को नकद भुगतान = क्रय + लेनदार एवं प्रारंभिक विपत्र – देनदार एवं अंतिम देय विपत्र
   = 1,25,000 रु. + 17,000 रु. – 15,000 रु.
   = 1,27,000 रु.
4. रोकड़ व्यय = प्रोदभवन आधार पर व्यय – प्रारंभ में पूर्वदत्त व्यय व अंत में बकाया व्यय + अंत में पूर्वदत्त व्यय तथा प्रारंभ में बकाया व्यय
5. कर्मचारियों को रोकड़ भुगतान = 30,000 रु. + 2,000 रु. – 3,000 रु.
   = 29,000 रु.
6. बीमा की किस्त रोकड़ भुगतान = 8,000 रु. – 5,000 रु. + 5,500 रु.
   = 8,500 रु.
7. आयकर भुगतान = 10,000 रु. + 3,000 रु. – 2,000 रु.
   = 11,000 रु.
8. यहाँ पर यह ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है कि यहाँ पर कोई असाधारण मदें नहीं हैं।

© NCERT not to be republished

6.6.2 अप्रत्यक्ष विधि

जैसा कि पहले संकेत किया जा चुका है अप्रत्यक्ष विधि में प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना निवल लाभ/हानि की राशि से प्रारंभ होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि एक उद्यम की सभी प्रचालन क्रियाकलापों के प्रभावों को आय विवरण संभावित करता है। हालांकि आयकर विवरण प्रोदभवन आधार पर (और न कि रोकड़ आधार पर) तैयार किए जाते हैं। इसके अलावा यह कुछ निश्चित गैर प्रचालन मदों को भी शामिल करता है जैसे कि ब्याज भुगतान, (स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ/हानि आदि) तथा गैर रोकड़ मदें (जैसे कि मूल्यह्रास, ख्याति को अपलिखित करना)। इसीलिए, यह आवश्यक हो जाता है कि लाभ व हानि खाते में दर्शाई गई निवल लाभ/हानि को प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह आने पर समायोजित किया जाए। आइए इस उदाहरण को देखें–

लाभ व हानि खाता
वर्षान्त 31 मार्च, 2007 वर्ष को

नाम *जमा*

व्यय/हानियां	*राशि* रु.	*आगम/लाभ*	*राशि* रु.
वेतन	35,000	सकल लाभ	1,00,000
किराया	15,000	भूमि की बिक्री पर लाभ	2,000
मूल्यह्रास	10,000		
ब्याज भुगतान	12,000		
निवल लाभ	30,000		
	1,02,000		**1,02,000**

उपर्युक्त लाभ व हानि खाता निवल लाभ की राशि 32,000 रु. दर्शाता है। इसे प्रचालन क्रियाकलाप से आने वाले रोकड़ प्रवाह से किया जाता है। आईये एक के बाद एक विभिन्न मदों को देखते हैं:

1. मूल्यह्रास एक गैर–रोकड़ मद है अत: 10,000 रु. मूल्यह्रास के रूप में रोकड़ प्रवाह नहीं है। इसी कारण, इस राशि को निश्चित रूप से निवल लाभ में वापस जोड़ा जाना चाहिए।
2. *ब्याज भुगतान*–यह 12,000 रु. का वित्तीय क्रियाकलापों में एक रोकड़ बाहिर्वाह है। इसलिए, जब प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह का परिकलन किया जा रहा हो, इस राशि को भी वापस निश्चित रूप से निवल लाभ–जोड़ा जाना चाहिए। ब्याज की यह राशि वित्तीय क्रियाकलाप के शीर्ष में एक बाहिर्वाह के रूप में दर्शाई गई है।

© NCERT not to be republished

3. *भूमि की बिक्री पर लाभ:* एक निवेश क्रियाकलाप से रोकड़ अंतर्वाह है। अतैव, प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह के परिकलन के समय निवल लाभ की राशि से निश्चित रूप से घटाई जानी चाहिए।

उपयुर्क्त उदाहरण आपको यह अनुमान देता है कि निवल लाभ/हानि की राशि में विविध समायोजन कैसे किए जाते हैं। अन्य महत्त्वपूर्ण समायोजन कार्य पूँजी में परिवर्तन से संबंद्ध होते हैं जो कि अपरिहार्य रूप से (अर्थात् चालू परिसंपत्तियों एवं चालू देनदारियों के मद) निवल लाभ/हानि में बदलते हैं जोकि प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह में प्रोद्भवन आधार पर आधारित होते हैं इसीलिए चालू परिसंपत्तियों में वृद्धि तथा चालू देनदारियों में कमी को निवल लाभ में जोड़ा जाता है तथा चालू परिसंपतियों में कमी तथा चालू देनदारियों में वृद्धि को निवल लाभ में घटाया जाता है जिससे प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह की परिशुद्ध राशि पर आते हैं। लेखा मानक-3 के अनुसार, अप्रत्यक्ष विधि के अंतर्गत प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह को निर्धारण, निम्न के प्रभावों से निवल लाभ या हानि में समायोजन के द्वारा होता है।

- गैर-रोकड़ मदें जैसा कि मूल्यह्रास, ख्याति का अपलेखन, प्रावधान, अस्थगित कर आदि जो कि बाद में जोड़ी जाती है:
- अन्य सभी मदें जिनके लिए निवेश या वित्तीय रोकड़ प्रवाह को रोकड़ प्रभावित करता है। इस प्रकार की मदों का निरूपण उनकी प्रवृति पर निर्भर करता है। सभी निवेश एवं वित्तीय आय निवल लाभ की राशि से घटाई जाती है जबकि इस प्रकार के खर्चों को वापस जोड़ा जाता है। उदाहरण के लिए ब्याज खर्च जो कि एक वित्तीय रोकड़ बाहिर्वाह है, वापस जोड़ा जाता है जबकि ब्याज आय जो कि एक निवेश रोकड़ प्रवाह है, निवल लाभ की राशि से घटाया जाता है।
- चालू परिसंपत्तियों एवं देनदारियों में अवधि के दौरान बदलाव चालू परिसंपत्तियों एवं देनदारियों में अवधि के दौरान बदलाव, चालू परिसंपत्तियों में वृद्धि तथा देनदारियों में कमी को जोड़ा जाता है जबकि चालू देनदारियों में वृद्धि तथा चालू परिसंपत्तियों में कमी को जोड़ा जाता है।

चित्र 6.3 अप्रत्यक्ष विधि के अनुसार प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह के परिकलन का प्रारूप दर्शाता है।

प्रत्यक्ष विधि वह सूचना प्रदान करती है जोकि भावी रोकड़ प्रवाह को अनुमानित करने के लिए उपयोगी होती हैं, लेकिन इस प्रकार की जानकारी अप्रत्यक्ष विधि के अंतर्गत उपलब्ध नहीं होती है। हालांकि व्यावहारिकता में कंपनियों द्वारा प्रचालन क्रियाकलाप से निवल रोकड़ प्रवाह पर आने के लिए अधिकतर अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग किया जाता है।

© NCERT not to be republished

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह

	कराधान से पहले निवल लाभ/हानि तथा असाधारण मदें	
+	गैर-रोकड़ मदों के लिए पहले ही लाभ व हानि खातों में कटौती की गई जैसे कि मूल्यह्रास, ख्याति का अपलेखन	xxx
+	गैर-प्रचालनीय मदों जैसे कि ब्याज के खातों पर लाभ व हानि में पहले ही कटौती की गई	xxx
–	गैर-प्रचालन मदों जैसे कि लाभांश प्राप्ति, स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ खातों पर लाभ व हानि के साथ अतिरिक्त आय को जोड़ना कार्यपूँजी में परिवर्तनों से पहले प्रचालन लाभ	xxx
+	चालू देनदारियों में वृद्धि	xxx
+	चालू परिसंपत्तियों में कमी	xxx
–	चालू परिसंपतियों में वृद्धि	xxx
–	चालू देनदारियों में कमी	xxx
	कराधान से पूर्व प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह एवं असाधारण मदें	
–	आयकर भुगतान	xxx
+/–	असाधारण मदों का प्रभाव	xxx
	प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़	**xxx**

चित्र 6.3: *प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का प्रारूप (अप्रत्यक्ष विधि)*

उदाहरण 2

उदाहरण 1 में दिए गए आँकड़ों का उपयोग करते हुए अप्रत्यक्ष विधि के द्वारा प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का परिकलन कीजिए।

हल

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		(रु.)
	कराधान से पूर्व निवल लाभ एवं असाधारण मदें (1)	42,000
	समायोजन के लिए-	
+	मूल्यह्रास	20,000
=	कार्यशील पूँजी बदलाव से पूर्व प्रचालन लाभ	62,000
–	विविध देनदारों में वृद्धि	(5,000)
+	प्राप्य विपत्रों में कमी	+2,000
–	मालसूची में वृद्धि	(5,000)
–	पूर्वदत्त बीमा में वृद्धि	(500)
–	विविध लेनदारों में कमी	(2,000)
+	बकाया वेतनों में वृद्धि	+1,000
=	प्रचालनों से जनित रोकड़	52,500
–	आयकर भुगतान	(11,000)
=	प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़	**41,500**

© NCERT not to be republished

आप देखेंगे कि प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की राशि समान रहती है भले ही हम इसके परिकलन हेतु प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विधि प्रयोग करें।

कार्यकारी टिप्पणी:

कराधान से पूर्व निवल लाभ तथा असाधारण मदों को निम्नवत निकाला गया।

(1) निवल लाभ	=	32,000 रु.
+ लाभ व हानि हेतु आयकर	=	10,000 रु.
= कराधान से पूर्व लाभ व असाधारण मदें	=	42,000 रु.

उदाहरण 3

निम्न सूचनाओं के आधार पर प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह ज्ञात करें:

लाभ व हानि खाता 31 मार्च, 2006 वर्ष की समाप्ति पर

विवरण	*रशि (रु.)*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
किराया	10,000	सकल लाभ	50,000
वेतन	25,000	मशीनरी की बिक्री पर लाभ	2,000
मूल्यह्रास	5,000	आयकर वापसी	3,000
उपकरणों की बिक्री पर हानि	3,000		
ख्याति का अपलेखन	2,000		
कराधान हेतु प्रावधान	8,000		
निवल लाभ	2,000		
	55,000		**55,000**

अतिरिक्त जानकारी

	01 अप्रैल 2005 रु.	*31 मार्च 2006* रु.
कराधान हेतु प्रावधान	10,000	13,000
बकाया किराया	2,000	2,500
लेनदार	21,000	25,000
देनदार	15,000	21,000
मालसूची	25,000	22,000

© NCERT not to be republished

हल

प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह

कराधान से पूर्व निवल लाभ एवं असाधारण मदें		10,000
समायोजन के लिए–		
+	मूल्यह्रास	5,000
+	उपकरणों की बिक्री पर हानि	3,000
+	ख्याति का अपलेखन	2,000
–	मशीनरी की बिक्री पर लाभ	(2,000)
–	आयकर वापसी	(3,000)
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ		15,000
–	विविध देनदारों में वृद्धि	(6,000)
+	मालसूची में कमी	3,000
+	विविध लेनदारों में वृद्धि	4,000
+	बकाया किराया में वृद्धि	500
प्रचालन से अर्जित रोकड़		16,500
आयकर भुगतान		(5,000)
आयकर वापसी		3,000
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़		**14,500**

कार्यकारी टिप्पणी:

1. कराधान से पूर्व निवल लाभ एवं असाधारण मदें = 2,000 रु. + 8,000 रु. = 10,000 रु.
2. वर्ष के दौरान भुगतान किए गए आयकर का अभिनिश्चय कर खाता हेतु तैयारी प्रावधान द्वारा निम्नानुसार किया गया।

कराधान खाता हेतु प्रावधान

नाम *जमा*

विवरण	*ब.पृ.स.*	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*ब.पृ.स.*	*राशि (रु.)*
रोकड़ (वर्ष के दौरान भुगतान किया गया आय कर (शेष राशि)		5,000	शेष आ/ले		10,000
			लाभ व हानि		8,000
शेष आ/ला		13,000			
		18,000			**18,000**

not to be republished © NCERT

उदाहरण 4

चार्ल्स लिमिटेड ने परिसंपत्तियों पर 20,000 रु. के मूल्यह्रास प्रभारित करने के पश्चात तथा 30,000 रु. सामान्य सचंय में हस्तांतरण के बाद 1,00,000 रु. का लाभ अर्जित किया। 7,000 रु. से ख्याति को अपलिखित किया गया तथा मशीनरी के विक्रय पर 3,000 रु. का लाभ प्राप्त हुआ। आपके लिए उपलब्ध अन्य जानकारियाँ (चालू परिसंपत्तियों एवं चालू देनदारियों में परिवर्तन के पश्चात) हैं: देनदारों ने 6,000 रु. की वृद्धि, लेनदारों में 10,000 रु. की वृद्धि, देय विपत्रों में 4,000 रु. की कमी तथा बकाया व्ययों में 2,000 रु. की कमी दर्शाई गई। प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना करें।

हल

	(रु.)
कराधान से पूर्व निवल लाभ	1,00,000
गैर-रोकड़ एवं गैर प्रचालन मदों हेतु समायोजन	
+ मूल्यह्रास	20,000
+ सामान्य आरक्षित में हस्तांतरण	30,000
+ ख्याति का अपलेखन	7,000
– मशीनरी की बिक्री पर लाभ	(3,000)
कार्यशील पूँजी से पूर्व प्रचालन लाभ	1,54,000
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन हेतु समायोजन	
– देनदारों में वृद्धि	(6,000)
+ लेनदारों में वृद्धि	10,000
– पूर्वदत्त व्ययों में वृद्धि	(200)
+ प्राप्य विपत्रों में कमी	3,000
– देय विपत्रों में कमी	(4,000)
– बकाया व्ययों में कमी	(2,000)
= प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़	1,54,800

कार्यकारी टिप्पणी :

चूंकि कर की राशि नहीं दी गई है, अत: 10,000 रु. के लाभ को कर से पूर्व लाभ माना गया है।

© NCERT not to be republished

स्वयं करें

1. यहां राज लिमिटेड का लाभ व हानि खाता नीचे दिया गया है:

लाभ व हानि खाता
वर्षान्त 31 मार्च, 2007 को

नाम *जमा*

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/आय*		*राशि (रु.)*
प्रारंभिक स्टॉक	2,00,000		विक्रय:		
क्रय–			नकद विक्रय	8,00,000	
नकद	4,00,000		ऋण विक्रय	34,00,000	
उधार	17,00,000		घटाया: वापसी	(2,00,000)	
घटाया वापसी	(1,00,000)		निवल विक्रय		40,00,000
निवल क्रय		20,00,000			
प्रशासकीय व्यय		10,20,000	व्यापार कमीशन		20,40,000
उपभोक्ताओं को बट्टा		1,20,000	प्राप्त बट्टा		60,000
डूबत ऋण		1,00,000	अंतिम स्टॉक		1,00,000
मूल्यह्रास		3,80,000			
कराधान हेतु प्रावधान		8,00,000			
निवल लाभ		15,80,000			
		62,00,000			**62,00,000**

अतिरिक्त सूचनाएँ–

	(रु.)	(रु.)
प्राप्य विपत्र	20,00,000	40,00,000
देय विपत्र	20,00,000	10,00,000
बकाया प्रशासनिक व्यय	10,000	20,000
पूर्वदत्त प्रशासकीय व्यय	20,000	10,000
प्रोद्भवन व्यापारिक व्यय	20,000	40,000
अग्रिम व्यापारिक व्यय	40,000	20,000
कराधान हेतु प्रावधान	10,00,000	12,00,000

प्रचालन से रोकड़ प्रवाह की गणना करें। साथ ही कार्यकारी टिप्पणी स्पष्टत दर्शाएँ

निम्नलिखित सूचनाओं से प्रचालन से निवल रोकड़ प्रवाह परिकलित कीजिए:

© NCERT not to be republished

विवरण	रु.
1,53,000 रु. के कर प्रावधान के पश्चात् प्रचालन लाभ	6,28,000
अकाल निपटान से बीमा प्राप्ति	1,00,000
चालू वर्ष के लिए प्रस्तावित लाभ	72,000
मूल्यह्रास	1,40,000
मशीनरी की बिक्री पर हानि	30,000
निवेश की बिक्री पर लाभ	20,000
निवेश पर प्राप्त लाभांश	6,000
चालू परिसंपत्तियों में गिरावट (रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों के अतिरिक्त)	10,000
चालू देनदारियों में वृद्धि	1,51,000
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों के अलावा चालू परिसंपत्तियों में वृद्धि	6,00,000
चालू देनदारियों में कमी	64,000
आयकर भुगतान	1,18,000
आयकर वापसी प्राप्ति	3,000

स्वयं जाँचिए–2

1. नीचे दिए गए दो विकल्पों में एक को चुनिए और दिए गए कथनों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
   (क) यदि वर्ष के दोरान अर्जित निवल लाभ 50,000 रु. है प्रारंभिक व अंतिम देनदार में क्रमशः 10,000 रु. तथा 20,000 रु. है तब प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह ____________रु. के बराबर होगा (40,000/60,0000)
   (ख) यदि वर्ष के दौरान निवल लाभ 50,000 रु. है और प्राप्य विपत्रों की राशि वर्ष के दौरान 10,000 रु. घटी है तब प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह ____________रु. के बराबर होगा। (40,000रु./60,000 रु.)
   (ग) वर्ष के अंत में व्ययों का अग्रिम भुगतान किया गया है जिसे वर्ष में अर्जित लाभ के साथ ____________ जाता है (जोड़ा या घटाया)
   (घ) एक वर्ष के दौरान प्रोद्भूत आय को निवल लाभ के साथ ___________ जाता है। (जोड़ा या घटाया)
   (च) प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह की गणना हेतु ख्याति का अपलेखन वर्ष के दौरान लाभ में __________ जाता है। (जोड़ा/घटाया)
   (छ) प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना के लिए संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान को वर्ष के दौरान अर्जित लाभ में __________ जाता है। (जोड़ा/घटाया)
2. जब प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ को संगणित करते हैं तो संकेत दें कि क्या निम्न मदों को निवल लाभ के साथ जोड़ा या घटाया जाएगा। यदि मान्य नहीं है तो अमान्य लिखें।

© NCERT not to be republished

विवरण
(क) लेनदारों के मूल्य में वृद्धि
(ख) एकस्व के मूल्य में वृद्धि
(ग) पूर्वदत्त व्ययों में कमी
(घ) पेशगी (अग्रिम) प्राप्त आय में कमी
(च) स्टॉक के मूल्य में कमी
(छ) अंश पूँजी में वृद्धि
(ज) प्राप्य विपत्रों के मूल्य में वृद्धि
(झ) बकाया व्ययों की राशि में वृद्धि
(ट) देय विपत्रों का अंशों में परिवर्तन
(ठ) देय विपत्रों के मूल्य में कमी
(ड) देनदारों के मूल्य में वृद्धि
(ढ) प्रोद्भूत आय की राशि में कमी

कई बार न तो निवल मूल्य की राशि विशेष रूप से दी गई होती है और न ही लाभ एवं हानि खाता दिया गया होता है। ऐसी परिस्थितियों में, निवल लाभ की राशि को दो वर्षों के तुलनपत्रों में लाभ व हानि खातों की तुलना करके निकाला जा सकता है। दोनों के बीच अंतर को उस वर्ष के लिए लाभ माना जाता है, इसके बाद, इस वर्ष के दौरान कर प्रावधान की राशि के साथ समायोजित करके (दो वर्षों के तुलन पत्रों की तुलना करके पता किया जाता है) कराधान से पूर्व निवल लाभ की गणना की जाती है। (देखें उदाहरण 7 एवं 8)

6.7 निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह

निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से अंतर्वाह एवं बार्हिवाह की मदो की रूपरेखा पहले ही बनाई जा चुकी है। रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करते समय सकल नकद प्राप्तियाँ सकल नकद भुगतान तथा निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से अर्जित निवल रोकड़ प्रवाह के मुख्य शीर्षो को पृथक रूप से क्रमशः निवेश क्रियाकलापों में रोकड़ प्रवाह तथा वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह शीर्षक के अंर्तगत दर्शाया जाता है। निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह की गणना उदाहरण 5 और 6 में दर्शाई गई है।

उदाहरण 5

वेलप्रिंट लि॰ ने निम्नलिखित जानकारी प्रदान की है:

	रु.
01 अप्रैल 2004 को मशीनरी	50,000
31 मार्च 2005 को मशीनरी	60,000
01 अप्रैल 2004 को संचित मूल्यह्रास	15,000
31 मार्च, 2005 को संचित मूल्यह्रास	25,000

वर्ष के दौरान एक मशीन जिसका मूल्य 25,000 रु. था और जिस पर संचित मूल्यह्रास 15,000 रु. है, को 13,000 रु. पर बेचा गया।

© NCERT not to be republished

उपर्युक्त जानकारी के आधार पर निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का परिकलन करें।

हल

निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	रु.
मशीनरी का विक्रय	13,000
मशीनरी का क्रय	(35,000)
निवेश क्रियाकलाप में उपर्युक्त निवल रोकड़	(22,000)

कार्यकारी टिप्पणी:

मशीनरी खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ सं.*	*राशि (रु.)*	*विवरण*	*रो.पृ सं.*	*राशि (रु.)*
शेष आ/ला		50,000	रोकड़ (मशीन की बिक्री)		13,000
लाभ व हानि		3,000			
(मशीन के विक्रय पर लाभ)			संचित मूल्यह्रास		15,000
रोकड़		35,000			
(शेष राशि – नई मशीन का क्रय)			शेष आ/ले		60,000
		88,000			**88,000**

संचित मूल्यह्रास खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ सं.*	*राशि रु.*
मशीनरी		15,000	शेष आ/ला		25,000
शेष आ/ले		15,000	लाभ व हानि		
			(वर्ष के दौरान		
			मूल्यह्रास)		5,000
		30,000			**30,000**

© NCERT not to be republished

उदाहरण 6

निम्नलिखित सूचना से वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का परिकलन करें।

	रु.	रु.
दीर्घकालिक ऋण	2,00,000	2,50,000

वर्ष के दौरान कंपनी ने 1,00,000 रु. का ऋण चुकता किया

हल

वित्तीय क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह	रु.
दीर्घकालिक ऋणों से प्राप्तियाँ	1,50,000
दीर्घकालिक ऋण से की चुकोती (परिशोधन)	(1,00,000)
वित्तीय क्रियाकलापों से निवल रोकड़ अंतर प्रवाह (अंतर्वाह)	50,000

कार्यकारी टिप्पणी

दीर्घकालिक ऋणखाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु.	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि* रु.
नकद (ऋण भुगतान)		1,00,000	शेष आ/ले		2,00,000
शेष आ/ले		2,50,000	रोकड़ (नया ऋण उगाहा गया)		1,50,000
		3,50,000			**3,50,000**

स्वयं करें

1. निम्नलिखित विवरणों से निवेशन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना करें:

	खरीद रु.	*बिक्री* रु.
संयंत्र	4,40,000	50,000
निवेश	1,80,000	1,00,000
ख्याति	2,00,000	
एकस्व		1,00,000

निवेश के रूप में धारित ऋण–पत्रों पर प्राप्त ब्याज 60,000 रु.

निवेश के रूप में धारित अंशों पर प्राप्त लाभांश 10,000 रु.

निवेश के उद्देश्य से एक जमीन का भाग खरीदा गया और व्यवसायिक उपयोग हेतु 30,000 रु. किराये पर दिया गया।

© NCERT not to be republished

2. निम्नलिखित जानकारी से निवेशन तथा वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का परिकलन करें।

	2005	2006
मशीन पुस्तक मूल्य पर	5,00,000	9,00,000
संचित मूल्यह्रास	3,00,000	4,50,000
समता अंश पूँजी	28,00,000	35,00,000
बैंक ऋण	12,50,000	7,50,000

वर्ष 2006 में 2,00,000 रु. की लागत वाली मशीन को 1,50,000, रु. के लाभ पर बेचा गया (वर्ष 2006 के दौरान मशीन पर प्रभारित संचित मूल्यह्रास 2,50,000 रु. था।

6.8 रोकड़ प्रवाह विवरण का निर्माण

जैसा कि पहले बताया गया है कि रोकड़ प्रवाह विवरण एक उद्यम की एक लेखांकन अवधि के दौरान रोकड़ एवं रोकड़ तूल्यांकों की स्थिति में बदलावों के संदर्भ में जानकारी उपलब्ध कराता है। वे क्रियाकलाप जो परिवर्तन लाने में भागीदारी देते हैं उन्हें प्रचालन, निवेश तथा वित्तीय क्रियाकलाप के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। एक लेखांकन अवधि के दौरान तीन क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह को निकालने की विधियों को विस्तार से वर्णित किया गया है तथा चित्र 6.1 में रोकड़ प्रवाह विवरण का एक संक्षिप्त प्रारूप भी बताया गया। हालांकि, अंतत: रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करते समय अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह के पूर्ण विवरण इन्हीं शीर्ष के अंतर्गत हैं। निवल रोकड़ प्रवाह (अथवा उपयोग) की गणना, जैसा कि चित्र 6.1 में दर्शाया गया है रोकड़ तथा रोकड़ तुल्यराशि में वृद्धि/कमी के रूप में की जाती है, जिसमें प्रारंभिक रोकड़ और रोकड़ तुल्यराशि को जोड़ा जाता है। अत: इस प्रकार रोकड़ और रोकड़ तुल्य राशि ज्ञात की जाती है। यह ज्ञात की गई राशि तुलन पत्रों में दी गई कुल हस्तस्थ रोकड़ बैंकस्थ रोकड़ (अथवा अधिविकर्ष) और रोकड़ तुल्यराशि (यदि कोई है तो) के समान होगी। (देखें उदाहरण 7 से 10 तक)। यहाँ एक अन्य बिन्दु पर भी ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है, वह यह कि प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को जन अप्रत्यक्ष विधि द्वारा ज्ञात किया जाता है और यथावत रोकड़ प्रवाह विवरण में दर्शाया जाता है तब यह विवरण स्वत: ही अप्रत्यक्षत विधि रोकड़ प्रवाह विवरण कहलाता है। इसलिए, उदाहरण 7, 8 एवं 9 में तैयार किए गए रोकड़ प्रवाह विवरण इसी श्रेणी के अंतर्गत आते हैं ठीक इसी प्रकार से यदि रोकड़ प्रवाह विवरण की तैयारी के दौरान जब प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को प्रत्यक्ष विधि से निकाला जाता है तो इसे 'प्रत्यक्ष विधि रोकड़ प्रवाह विवरण' कहा जाएगा। उदाहरण 10 दोनों ही प्रकार के रोकड़ प्रवाह विवरण दर्शाता है। **हालांकि जब तक यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया जाता है कि रोकड़ प्रवाह विवरण किस विधि के उपयोग से निकाला गया है तब बहुत संभव हो सकता है कि रोकड़ प्रवाह विवरण अप्रत्यक्ष विधि द्वारा तैयार किया गया हो जैसाकि अधिकतर कंपनियाँ इसे ही व्यवहार में लाती है।** अध्याय के अंत में ग्रासिम इण्डस्ट्रीज, UCAL फयूल सिस्टम और सर्चलाईट आंप्टीकल टेकनालॉजी के रोकड़ प्रवाह विवरण दर्शाए गए हैं।

© NCERT not to be republished

उदाहरण 7

निम्नलिखित जानकारी से पॉयोनियर लिमिटेड के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार कीजिए।

पायोनियर लिमिटेड का 31 मार्च, 2005 को तुलन पत्र

दायित्व	31, मार्च 2004	31, मार्च 2005	परिसंपत्तियां	31, मार्च 2004	31, मार्च 2005
समता अंश पूँजी	5,00,000	7,00,000	एकस्व	1,00,000	95,000
लाभ व हानि	2,00,000	3,50,000	उपकरण	2,00,000	2,30,000
बैंक ऋण	1,00,000	50,000	फर्नीचर	3,00,000	2,70,000
प्रस्तावित लाभांश	50,000	70,000	विनियोग	------	1,00,000
कराधान का प्रावधान	30,000	50,000	देनदार	80,000	1,20,000
लेनदार	50,000	45,000	भंडार	50,000	1,30,000
बकाया किराया	5,000	7,000	रोकड़	5,000	27,000
			बैंक	2,00,000	3,00,000
	9,35,000	**12,72,000**		**9,35,000**	**12,72,000**

वर्ष के दौरान 80,000 रु. मूल्य के उपकरण खरीदे गए। उपकरण की बिक्री पर हानि की राशि 5,000 रु. है। उपकरणों एवं फर्नीचर के लिए क्रमश: 15,000 रु. एवं 3,000 रु. मूल्यह्रास प्रदान किया गया।

हल

रोकड़ प्रवाह विवरण

		रु.
I.	प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
	कर एवं असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ	2,00,000
	प्रावधान:	
	उपकरण पर मूल्यह्रास	15,000
	फर्नीचर पर मूल्यह्रास	30,000
	एकस्व का अपलेखन	5,000
	प्रस्तावित लाभांश	70,000
	उपकरणों की बिक्री पर हानि	5,000
	कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	3,25,000
	– लेनदारों में कमी	(5,000)
	+ बकाया किराये में वृद्धि	2,000
	– देनदारों में वृद्धि	(40,000)
	– प्रचालन क्रियाओं से अर्जित माल में वृद्धि	(80,000)
		2,02,000
	(–) कर भुगतान	(30,000)
(क)	प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह	1,72,000

© NCERT not to be republished

II.	निवेशन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
	उपकरणों का विक्रय	30,000
	नए उपकरणों का क्रय	(80,000)
	विनियोगों की खरीद	(1,00,000)
(ख)	निवेश क्रियाकलापों में प्रयुक्त रोकड़	(1,50,000)
III.	वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
	समता अंश पूँजी की निर्गम	2,00,000
	बैंक ऋण का शोधन	(50,000)
	लाभांश का भुगतान	(50,000)
(ग)	वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह	1,00,000
	रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य राशियों (क+ख+ग) में वृद्धि	1,22,000
	+ प्रारंभ में रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियाँ	2,05,000
	अंत में रोकड़ व रोकड़ तुल्य राशियाँ	3,27,000

कार्यकारी टिप्पणी:

(1)

उपकरण खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
शेष आ/ला		2,00,000	मूल्यह्रास (शेष राशि)		15,000
रोकड़		80,000	बैंक		30,000
			लाभ व हानि (विक्रय पर हानि)		5,000
			शेष आ/ले		2,30,000
		2,80,000			**2,80,000**

(2) वर्ष के दौरान एकस्व 5,000 रु. (अर्थात 1,00,000 रु. – 95,000 रु.) अपलिखित हुए और फर्नीचर पर मूल्यह्रास 30,000. रु. (3,00,000 रु. – 2,70,000 रु.) हैं।

(3) यह माना गया कि वर्ष 2003-04 में 5,000 रु. लाभांश तथा कर के 30,000 रु. थे, जिन्हें वर्ष 2004-05 के दौरान चुकाया गया। इसी कारण वर्ष के दौरान प्रस्तावित लाभांश एवं कर का प्रावधान क्रमश: 70,000 रु. तथा 50,000 रु. होता है।

© NCERT not to be republished

		रु.
(4)	अंत में लाभ व हानि	3,50,000
	(–) प्रारंभ में लाभ व हानि	2,00,000
(5)	वर्ष के दौरान निवल लाभ	1,50,000
	+ वर्ष के दौरान कर हेतु प्रावधान	50,000
	कराधान एवं असाधारण मदों से पहले निवल लाभ	2,00,000

उदाहरण 8

निम्नलिखित जानकारी से जेरोक्स लिमिटेड के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

31 मार्च, 2007 को जेरोक्स लिमिटेड का तुलन पत्र

दायित्व	*31, मार्च 2006*	*31, मार्च 2007*	*परिसंपत्तियां*	*31, मार्च 2006*	*31, मार्च 2007*
समता अंश	10,00,000	15,00,000	ख्याति	2,00,000	1,80,000
लाभ व हानि	6,00,000	7,50,000	भूमि व भवन	8,00,000	6,50,000
ऋणपत्र	2,00,000	--	संयत्र व मशीनरी	4,00,000	3,60,000
बैंक ऋण	--	1,00,000	निवेश	--	6,00,000
कराधान हेतु प्रावधान	80,000	95,000	देनदार	1,50,000	2,00,000
लेनदार	60,000	70,000	स्टॉक	1,00,000	1,80,000
	50,000	30,000	रोकड़	50,000	70,000
			बैंक	2,90,000	3,05,000
	19,90,000	**25,45,000**		**19,90,000**	**25,45,000**

वर्ष के दौरान 1,50,000 रु. का लाभांश प्रस्तावित एवं चुकता किया गया। आयकर चुकाया गया जिसमें 1,50,000 रु. लाभांश कर की राशि शामिल थी, इसके अतिरिक्त वर्ष के दौरान 1,50,000 रु. के भूमि भवन को 10% लाभ पर बेचा गया। संयंत्र व मशीनरी पर मूल्यह्रास का 10% है।

हल

रोकड़ प्रवाह विवरण

		रु.
I.	प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
	कराधान से पूर्व निवल लाभ एवं असाधारण मदें	2,45,000
	समायोजन	
	+ मूल्यह्रास	40,000
	+ ख्याति का अपलेखन	20,000

+ प्रस्तावित लाभांश	1,50,000
– भूमि की बिक्री पर लाभ	(15,000)
= कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	4,40,000
+ लेनदारों में वृद्धि	10,000
– देय विपत्रों में कमी	(20,000)
– देनदारों में वृद्धि	(50,000)
– स्टॉक में वृद्धि	(80,000)
= प्रचालनों से अर्जित रोकड़	3,00,000
– आयकर का भुगतान (1)	(65,000)
(क) प्रचालन से रोकड़ अंतर्वाह	2,35,000
II. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
भूमि व भवन बिक्री से प्राप्तियाँ	1,65,000
निवेश की खरीद	6,00,000
(ख) निवेश क्रियाकलापों में प्रयुक्त रोकड़	(4,35,000)
III. वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
समता अंश पूँजी का निर्गमन	5,00,000
ऋण-पत्रों का मोचन	(2,00,000)
बैंक ऋण	1,00,000
लाभांश का भुगतान	(1,50,000)
लाभांश कर का भुगतान	(15,000)
(ग) वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	2,35,000
रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियों (क+ख+ग) में निवल वृद्धि	35,000
+ प्रारंभ में रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियाँ	3,40,000
अंत में रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियाँ	3,75,000

कार्यकारी टिप्पणी

	रु.
(1) वर्ष के दौरान चुकता कुल आयकर	80,0000
(–) लाभांश कर का भुगतान (दिया गया)	(15,000)
प्रचालन हेतु आयकर का भुगतान	65,000

(2) कर एवं लाभांश के पश्चात् वर्ष के दौरान अर्जित निवल लाभ
= 7,50,000 रु. – 6,00,000 रु. = 1,50,000 रु.

(3) कर से पूर्व निवल लाभ
= 1,50,000 रु. + कर हेतु प्रावधान
= 1,50,000 रु. + 95,000 रु. (कर हेतु प्रावधान खाता देखिए)
= 2,45,000 रु.

© NCERT not to be republished

समता अंश पूँजी खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
शेष आ/ले		15,00,000	शेष आ/ला		10,00,000
			रोकड़ (नई पूँजी निर्गमित)		5,00,000
		15,00,000			**15,00,000**

ऋणपत्र खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
रोकड़ (मोचन)		20,000	शेष आ/ला		20,000
		20,000			**20,000**

बैंक खाता

नाम जमा

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि*
शेष आ/ले		1,00,000	रोकड़		1,00,000
		1,00,000			**1,00,000**

कर हेतु प्रावधान

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
रोकड़ (कर का भुगतान जिसमें लाभांश के 15,000 रु. शामिल हैं)		80,000	शेष आ/ला		80,000
शेष आ/ले		95,000	लाभ व हानि (वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान)		95,000
		1,75,000			**1,75,000**

© NCERT not to be republished

भूमि व भवन खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
शेष आ/ला		8,00,000	रोकड़		1,65,000
लाभ व हानि (विक्रय पर लाभ)		15,000	शेष आ/ला		6,50,000
		8,15,000			**8,15,000**

प्रस्तावित लाभांश खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
रोकड़		1,50,000	लाभ व हानि		1,50,000
		1,50,000			**1,50,000**

संयंत्र व मशीनरी खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
शेष आ/ला		4,00,000	मूल्यह्रास		40,000
					3,60,000
		4,00,000			**4,00,000**

उदाहरण 9

निम्नलिखित विवरण ओसवाल एग्रो मिल लिमिटेड से संबंधित हैं। वर्ष की समाप्ति हेतु 31 मार्च, 2006 पर रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करें।

विवरण	**31.3.06**	**31.03.05**
निधियों के स्रोत	(रु. लाख में)	(रु. लाख में)
अंशधारक निधि		
पूँजी	1,300	1,400
आरक्षित एवं अधिशेष	4,700	4,000
कुल जोड़	**6,000**	**5,400**

© NCERT not to be republished

निधि का उपयोग		
स्थिर परिसंपत्तियाँ		
सकल खंड	**3,600**	**3,400**
(-) मूल्यह्रास	(1,200)	(1,000)
निवल खंड	**2,400**	**2,400**
विनियोग	300	200
चालू परिसंपत्तियाँ:		
मालसूची	1,200	1,300
विविध देनदार	800	900
रोकड़ व बैंक शेष	1,200	800
ऋण एवं अग्रिम (पेशगी)	800	800
योग	4,000	4,000
घटाया: चालू दायित्व		
व्यापार लेनदार	(500)	(400)
अल्पकालिक ऋण	(200)	(600)
योग	(700)	(1,000)
निवल चालू परिसंपत्तियाँ	3,300	2,800
कुल जोड़	**6,000**	**5,400**

वर्षान्त 31 मार्च, 2006 को आय विवरण

(रु. लाख में)

विक्रय	2,800
अन्य आय (लाभांश से आय)	1,000
(–) खर्च	3,800
मजदूरी लागत	(600)
ब्याज का भुगतान	(200)
मूल्यह्रास	(200)
कर से पूर्वलाभ	2,800
(–) कर का भुगतान	(1,000)
(–) भूकंप से हानि	(1,100)
निवल लाभ	700

© NCERT not to be republished

आपको बताया गया कि कंपनी द्वारा वर्ष 2006 के दौरान कोई लाभांश नहीं किया है। स्थिर परिसंपत्तियों में से 1,000 रु. के मूल्य की भूमि पर कोई भी संचित मूल्यह्रास नहीं है, उसे बिना हानि या लाभ के बेचा गया।

हल

रोकड़ प्रवाह विवरण

	(रु. लाख में)
प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
कर से पूर्व निवल लाभ व असाधारण मदें (1)	2,800
समायोजन–	
+ ब्याज का भुगतान	200
+ मूल्यह्रास	200
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ	3,200
समायोजन–	
+ मालसूची में कमी	100
+ विविध देनदारों में कमी	100
+ विविध लेनदारों में वृद्धि	100
– अल्पकालिक ऋण में कमी	(400)
प्रचालनों से अर्जित रोकड़	3,100
(–) आयकर का भुगतान	(1,000)
(–) भूकंप से हानि	(1,100)
(क) प्रचालन क्रियाकलाप से निवल रोकड़	1,000
निवेशन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
भूमि की बिक्री (2)	1,000
स्थिर परिसंपत्तियों का क्रय (2)	(1,200)
विनियोगों का क्रय	(100)
(ख) निवल रोकड़	(300)
वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	
ब्याज का भुगतान	(200)
पूँजी का मोचन	(100)
(ग) वित्तीय क्रियाकलापों में प्रयुक्त निवल रोकड़	(300)

© NCERT not to be republished

वर्ष के दौरान रोकड़ एवं तूल्यराशियों में निवल वृद्धि (क + ख + ग)	400
+ वर्ष के प्रारंभ में रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियाँ	800
= अंत में रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियाँ	**1,200**

कार्यकारी टिप्पणी

(1) कर से पूर्व लाभ व असाधारण मदें = 700 रु. + 1,100 रु. + 1,000 रु. = 2,800 रु.

(2) **स्थिर परिसंपत्ति खाता**

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
शेष आ/ला		3,400	रोकड़ (भूमि का विक्रय)		1,000
रोकड़ (स्थिर परिसंपत्तियों का क्रय)		1,200	शेष आ/ला		3,600
		4,600			**4,600**

संचित मूल्यह्रास खाता

नाम *जमा*

विवरण	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
शेष आ/ले		1,200	शेष आ/ला		1,000
			लाभ व हानि		200
		1,200			**1,200**

उदाहरण 10

निम्नलिखित जानकारी से लेखा मानक–3 के अनुसार प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग कर बंजारा लिमिटेड का रोकड़ प्रवाह विवरण बनाइए।

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2006 को तुलन पत्र

(रु. '000)

	2006	2005
परिसंपत्तियाँ		
हस्तस्थ रोकड़ व बैंक शेष	200	25
विक्रय प्रतिभूतियाँ (एक माह की परिपक्वता वाली)	670	135
विविध देनदार	1,700	1,200
प्राप्य ब्याज	100	-
मालसूची	900	1,950
निवेश	2,500	2,500
स्थिर परिसंपत्तियाँ लागत पर	2,180	1,910
संचित मूल्यह्रास	(1,450)	(1,060)
स्थिर परिसंपत्तियाँ (निवल)	730	850
कुल परिसंपत्तियाँ	**6,800**	**6,660**
दायित्व		
विविध लेनदार	150	1,890
देय ब्याज	230	100
देय आयकर	400	1,000
दीर्घकालिक ऋण	1,110	1,040
कुल देनदारियाँ	**1,890**	**4,030**
अंशधारक निधि		
अंश पूँजी	1,500	1,250
आरक्षित	3,410	1,380
कुल अंशधारक निधि	**4,910**	**2,630**
कुल देनदारियाँ एवं अंशधारक निधि	**6,800**	**6,660**

© NCERT not to be republished

वर्षांत में 31 मार्च, 2006 को लाभ या हानि का विवरण

	(रु. ,000)
विक्रय	30,650
बेचे गए माल की लागत	(26,000)
सकल लाभ	4,650
मूल्यह्रास	(450)
प्रशासकीय एवं बिक्री व्यय	(910)
ब्याज व्यय	(400)
ब्याज आय	300
लाभांश आय	200
कराधान से पूर्व निवल लाभ व असाधारण मदें	3,390
असाधारण मदें	
भूकंप आपदा निपटान से बीमा प्राप्तियाँ	140
असाधारण मदों के बाद निवल लाभ	3,530
आय कर	(300)
निवल लाभ	3,230

अतिरिक्त जानकारी (रु. '000)

(i) 250 रु. की राशि की अंश पूँजी निर्गमित की गई और 250 रु. की एक अतिरिक्त राशि दीर्घ-कालिक ऋण उठाई गई।

(ii) ब्याज व्यय 400 रु. था जिसमें 170 रु. को अवधि के दौरान चुकाया गया। पूर्व अवधि से संबंधित ब्याज के 100 रु. भी इस अवधि के दौरान चुकाए गए।

(iii) लाभांश के 1,200 रु. चुकाए गए।

(iv) लाभांश की प्राप्ति पर स्रोत पर टैक्स कटौती की गई जो 40 रु. थी (वर्ष के लिए कर 300 रु. कर खर्चों में जोड़ा गया।)

(v) अवधि के दौरान उद्यम में 350 रु. की स्थिर परिसंपत्ति प्राप्त की। यह नकद भुगतान किया गया।

(vi) संयत्र की मूल लागत 80 रु. थी और संचित मूल्यह्रास 60 रु. था, इसे 20 रु. में बेचा गया

(vii) विविध देनदार तथा विविध लेनदार के अंतर्गत केवल उधार बिक्री एवं उधार खरीद शामिल है।

© NCERT not to be republished

हल

रोकड़ प्रवाह विवरण
प्रत्यक्ष विधि

		(रु. '000)
प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
उपभोक्ताओं से रोकड़ प्राप्ति	30,150	
पूर्तिकारों व कर्मचारियों को नकद भुगतान	(27,600)	
प्रचालन से अर्जित रोकड़	2,550	
आयकर का भुगतान	(860)	
असाधारण मदों से पूर्व रोकड़ प्रवाह	1,690	
भूकंप आपदा निपटान से प्राप्तियाँ	140	
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़		1,830
निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
स्थिर परिसंपत्तियों का क्रय	(350)	
उपकरणों के विक्रय से प्राप्ति	20	
ब्याज प्राप्ति	200	
लाभांश प्राप्ति	160	
निवेशन क्रियाकलापों से निवल रोकड़		30
निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
अंश पूँजी के निर्गम से प्राप्ति	250	
दीर्घकालिक ऋणों से प्राप्ति	250	
दीर्घकालिक ऋणों की चुकौती	(180)	
ब्याज प्रदत्त	(270)	
लाभांश प्रदत्त	(1,200)	
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य राशियों में निवल वृद्धि		(1,150)
अवधि के प्रारंभ में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ		710
अवधि के अंत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ		160
		870

© NCERT not to be republished

रोकड़ प्रवाह विवरण
(अप्रत्यक्ष विधि)

		(रु.'000)
प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
कराधान से पूर्व निवल लाभ तथा असाधारण मदें		3,390
समायोजन–		
+	मूल्यह्रास	450
–	ब्याज आय	(300)
–	लाभांश आय	(200)
+	ब्याज व्यय	400
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ		3,740
विविध देनदारों में वृद्धि		(500)
मालसूची में कमी		1,050
विविध लेनदारों में कमी		(1,740)
प्रचालन से अर्जित रोकड़		2,550
आयकर का भुगतान		(860)
असाधारण मदों से पूर्व रोकड़ प्रवाह		1,690
भूकंप आपदा से निपटान से प्राप्तियाँ		140
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़		1,830
निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
स्थिर परिसंपतियों का क्रय		(350)
उपकरणों की बिक्री से प्राप्तियाँ		20
ब्याज प्राप्ति		200
लाभांश प्राप्ति (टीडीएस सहित)		160
निवेश क्रियाकलापों से निवल रोकड़		30
वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
निर्गमित अंश पूँजी		250
दीर्घकालिक ऋणों से प्राप्तियाँ		250
दीर्घकालिक ऋणों की चुकौती (शोधन)		(180)
ब्याज का भुगतान		(270)
लाभांश का भुगतान		(1,200)
वित्तीय क्रियाकलापों से निवल रोकड़		(1,150)
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों में निवल वृद्धि		710
अवधि के प्रारंभ में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ		160
अवधि के अंत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ		870

© NCERT not to be republished

कार्यकारी टिप्पणी

1. *रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ*

रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों के अंतर्गत हस्तस्थ रोकड़ एवं बैंक शेष तथा बाज़ार मुद्रा प्रपत्र समाहित होते हैं। रोकड़ प्रवाह विवरण में निहित रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों में निम्नलिखित तुलन पत्र राशियाँ संघटित होती हैं।

(रु. '000)

	2006 रु.	2005 रु.
हस्तस्थ रोकड़ एवं बैंक शेष	200	25
अल्पकालिक निवेश	670	135
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ	870	160

2. ग्राहकों से प्राप्त रोकड़ प्राप्तियाँ		
बिक्री	30,650	
जोड़ा: वर्ष के प्रारंभ में विविध देनदार	1,200	
	31,850	
घटाया– वर्ष के अंत में विविध देनदार	(1,700)	
	30,150	
3. पूर्तिकारों एवं कर्मचारियों को रोकड़ भुगतान		
बेचे गए माल की लागत		26,000
प्रशासकीय एवं विक्रय व्यय		910
		26,910
जोड़ा: वर्ष के प्रारंभ में विविध लेनदार	1,890	
वर्ष के अंत में मालसूची	900	2,790
		29,700
घटाया– वर्ष के अंत में विविध लेनदार	150	
वर्ष के प्रारंभ में मालसूची	1,950	(2,100)
		27,600
4. *आयकर का भुगतान (लाभांश प्राप्त से टीडीएस सहित)*		300
वर्ष के लिए आयकर व्यय (लाभांश प्राप्त से टी.डी.एस. सहित)		
जोड़ा : वर्ष के प्रारंभ में आयकर देनदार		1,000
		1,300
घटाया– वर्ष के अंत में देय आयकर		(400)
		900

not to be republished © NCERT

900 रु. में से प्राप्त लाभांश पर टी. डी. एस. (जो कि 40 रु. है) निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह में सम्मिलित है और 860 रु. की शेष राशि प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह में सम्मिलित है।

5. दीर्घकालिक ऋणों की चुकौती (शोधन)

वर्ष के प्रारंभ में दीर्घकालिक ऋण	1,040
जोड़ा: वर्ष के दौरान लिए गए दीर्घकालिक ऋण	250
	1,290
घटाया: वर्ष के अंत में दीर्घकालिक ऋण	(1,110)
	180

6. *ब्याज का भुगतान*

वर्ष के लिए ब्याज व्यय	400
जोड़ा: वर्ष के प्रारंभ में देय ब्याज	100
	500
घटाया: वर्ष के अंत में देय ब्याज	(230)
	270

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

1. रोकड़
2. रोकड़ तुल्याराशियाँ/तुल्यांक
3. रोकड़ प्रवाह
4. रोकड़ बाहिर्वाह
5. गैर–रोकड़ मद
6. रोकड़ प्रवाह विवरण
7. प्रचालन क्रियाकलाप
8. निवेश क्रियाकलाप
9. वित्तीय क्रियाकलाप
10. लेखा मानक–3
11. असाधारण मदें

सारांश

रोकड़ प्रवाह विवरण: रोकड़ प्रवाह विवरण को एक उद्यम की वित्तीय स्थिति से तरलता को अभिनिश्चित करने के लिए कोष प्रवाह के विवरण से बेहतर माना जाता है। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टड एकाऊटेंट्स एसोसिएशन के द्वारा जारी लेखांकन मानक 3 के अनुसार भारतीय उद्यमियों को रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करना अनिवार्य होता है। रोकड़ प्रवाह को प्रचालन, निवेशन तथा वित्तीय क्रियाकलापों के प्रवाह के अन्तर्गत वर्गीकृत किया गया है। यह विवरण एक उद्यम द्वारा जनित रोकड़ प्रवाह की राशि एवं अभिनिश्चयात्मकता को सुरक्षित करता है।

© NCERT not to be republished

अभ्यास के लिए प्रश्न

क. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. एक रोकड़ प्रवाह विवरण क्या है?
2. जब रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कर रहे हों तो विभिन्न क्रियाकलापों को (संशोधित ले. मा. के अनुसार) कैसे वर्गीकृत किया जाता है?
3. रोकड़ प्रवाह विवरण के उपयोगों की व्याख्या कीजिए?
4. एक रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करने के उद्देश्य क्या हैं?
5. इन शब्दों की व्याख्या करें: रोकड़ तुल्यराशियाँ, रोकड़ प्रवाह
6. अप्रत्यक्ष विधि एवं प्रत्यक्ष विधि का उपयोग करते हुए प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह का एक प्रारूप तैयार करें?
7. अब आप प्रचालन क्रियाकलाप का मतलब जानते हैं। अत: यह स्पष्ट करें कि निम्न प्रकार के उद्यमों के लिए प्रचालन क्रियाकलाप में क्या संघटित होगा:
   (i) होटल
   (ii) फिल्म निर्माण कंपनी
   (iii) वित्तीय उद्यम
   (iv) संचार उद्यम
   (v) स्टील निर्माण इकाई
   (vi) सॉफ्टवेयर व्यवसाय इकाई
8. "एक उद्यम की प्रकृति/प्रकार उसे पूर्णगत: उस क्षेणी में परिवर्तित कर सकता है जिसमें कि एक विशिष्ट क्रियाकलाप वर्गीकृत हो सकती है" क्या आप इससे सहमत हैं? अपने उत्तर का वर्णन कीजिए।

ख. दीर्घउत्तरीय प्रश्न

1. रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने की प्रक्रिया का वर्णन करें।
2. प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को अभिलिखित कराने हेतु "प्रत्यक्ष" एवं "अप्रत्यक्ष" विधि का वर्णन करें।
3. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह की व्याख्या करें।
4. वित्तीय क्रियाकलापों से प्रमुख रोकड़ अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह की व्याख्या करें।

संख्यात्मक प्रश्न

1. वर्ष के अंत में 31 मार्च, 2007 को आनंद लिमिटेड की निवल आय 5,00,000 रु. थी। वर्ष के दौरान मूल्यह्रास 2,00,000 रु. था। इसके साथ ही उस वर्ष 50,000 रु. की परिसंपत्तियाँ बेची गई जिन्हें लाभ व हानि खाता के जमा पक्ष में डाला गया। वर्ष के दौरान प्राप्य विपत्रों में 40,000 रु. वृद्धि हुई। अप्रत्यक्ष विधि के द्वारा प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को संगठित कीजिए।

© NCERT not to be republished

2. नीचे दी गई जानकारी से आपको मालसूची के लिए रोकड़ प्रवाह (प्रदत्त) बनाने की जरूरत है।

	रु.
प्रारंभ में मालसूची	40,000
क्रय	1,60,000
अंत में मालसूची	38,000
प्रारंभ में मालसूची लेनदार	14,000
अंत में मालसूची लेनदार	14,500

[**उत्तर:** 1,59,500 रु.]

3. नीचे दिए गए प्रत्येक लेनदेन के लिए निष्कर्षित रोकड़ प्रवाह परिकलित कीजिए तथा रोकड़ प्रवाह की प्रकृति बताइए जैसे कि प्रचालन निवेश व वित्तीय
   (अ) 2,50,000 रु. में मशीनरी को 20% हुंडी (चेक) देकर प्राप्त किया गया और शेष देय हेतु बॉण्ड जारी किया गया।
   (ब) इन्फोर्मांटेक से प्राप्त अंश हेतु 2,50,000 रु. चुकता किया गया और अधिग्रहण के बाद 50,000 रु. का लाभांश प्राप्त हुआ।
   (स) एक मशीन की मूल लागत 2,00,000 रु. थी जिसे 6,00,000 रु. की संचित मूल्यह्रास के साथ 60,000 रु. में बेचा गया।

   [**उत्तर:** 50,000 रु. निवेश प्रवाह (बाहिर्वाह); 2,00,000 रु. निवेश प्रवाह (बाहिर्वाह); 60,000 रु. निवेश प्रवाह (अंतर्वाह)]

4. निम्नलिखित यमुना लिमिटेड का लाभ व हानि खाता है।

यमुना लिमिटेड
लाभ व हानि खाता
वर्षान्त 31 मार्च, 2007 को

	रु.	रु.
विक्रय	10,00,000	
बेचे गए माल की लागत		
प्रारंभिक स्टॉक	2,50,000	
क्रय	5,00,000	
	7,50,000	
घटाया– अंतिम स्टॉक	(2,00,000)	5,50,000
सकल लाभ		4,50,000
प्रचालन व्यय		3,00,000
निवल लाभ		1,50,000

© NCERT not to be republished

अतिरिक्त सूचना

(i) वर्ष के दौरान व्यापार देनदारों में 30,000 रु. की कमी।

(ii) वर्ष के दौरान पूर्ववत्त व्ययों में 5,000 रु. की वृद्धि।

(iii) वर्ष के दौरान व्यापार लेनदारों में 15,000 रु. की कमी।

(iv) वर्ष के दौरान 3,000 रु. के बकाया व्ययों में वृद्धि।

(v) मूल्यह्रास संचित प्रचालन व्यय, 25,000 रु.

अप्रत्यक्ष विधि के द्वारा 31 मार्च 2007 वर्ष समाप्ति के लिए प्रचालन द्वारा उत्तर प्रचालन से उपलब्ध रोकड़ निवल रोकड़ संगठित कीजिए।

[**उत्तर:** प्रचालन से उपलब्ध रोकड़ 2,18,000 रु.]

5. निम्नलिखित आँकड़ों से प्रचालन से रोकड़ संगठित कीजिए।

(i) वर्ष 2005-06 के लिए मूल्यह्रास के लिए 2,000 रु. के पश्चात् लाभ की राशि 10,000 रु. है।

(ii) 31 मार्च, 2006 व 2007 पर वर्ष समाप्ति के लिए व्यवसाय की चालू परिसंपित्तयाँ निम्नवत हैं:

	31 मार्च 2006 रु.	*31 मार्च 2007* रु.
देनदार	10,000	12,000
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	1,000	1,200
प्राप्य विपत्र	4,000	3,000
देय विपत्र	5,000	6,000
लेनदार	8,000	9,000
मालसूचियाँ	5,000	8,000
अल्पकालिक निवेश	10,000	12,000
बकाया व्यय	1,000	1,500
पूर्वदत्त व्यय	2,000	1,000
प्रोदभूत व्यय	3,000	4,000
अग्रिम (पेशगी) आय प्राप्त	2,000	1,000

संक्षिप्त रोकड़ खाते से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

[**उत्तर:** 7,700 रु. प्रचालनों से रोकड़]

6. निम्नलिखित विवरण भारत गैस लिमिटेड से हैं। निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह परिकलित कीजिए। साथ ही खाता बही तैयार करते हुए स्पष्ट कार्यकारी टिप्पणी दें।

© NCERT not to be republished

.... पर भारत गैस लिमिटेड का तुलन पत्र

दायित्व	2006 राशि रु.	2007 राशि रु.	परिसंपत्तियाँ	2006 राशि रु.	2007 राशि रु.
			ख्याति	1,00,000	3,00,000
			एकस्व	2,80,000	1,60,000
			मशीनरी	10,20,000	12,40,000
			10% दीर्घकालिक निवेश	60,000	1,60,000
			भूमि निवेश	1,00,000	1,00,000
			एमैरटैक्स लि. के अंश	1,00,000	1,00,000

अतिरिक्त जानकारी

(अ) 40,000 रु. के एकस्व को अपलिखित किया गया और कुछ एकस्व 20,000 रु. के लाभ पर बेचा गया।

(ब) एक 1,40,000 रु. लागत की मशीन (जिसमें मूल्यह्रास 60,000 रु. दिया गया) को 50,000 रु. में बेचा गया। वर्ष के दौरान मूल्यह्रास 1,40,000 रु. प्रभारित किया गया।

(स) 31 मार्च, 2007 को 1,80,000 रु. के 10% निवेश खरीदे गए और कुछ निवेशों को 20,000 रु. के लाभ पर बेचा गया। निवेशों पर 31 मार्च, 2007 को ब्याज प्राप्त किया गया।

(द) अंशों पर एमैरटैक्स लिमिटेड ने 10% की दर से लाभांश प्रदान किया और उसे व्यावसायिक कार्य के उद्देश्य किराए पर देकर किराए के 30,000 रु. प्राप्त हुए।

[**उत्तरः** 5,24,200 रु.]

7. निम्नलिखित विवरण राजेश्वर लिमिटेड से हैं। वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को परिकलित करें:

.... पर मोहन लिमिटेड का तुलन पत्र यथानुसार है

दायित्व	2005 रु.	2006 रु.	परिसंपत्तियाँ	2005 रु.	2006 रु.
इक्विटी अंश पूँजी	2,00,000	3,00,000	स्थिर परिसंपत्तियाँ	4,00,000	6,00,000
लाभ व हानि	1,60,000	2,00,000	स्टॉक	1,30,000	1,50,000
बैंक ऋण	1,00,000	80,000	देनदार	1,00,000	60,000
संचित मूल्यह्रास	80,000	1,00,000	प्राप्य विपत्र	20,000	30,000
लेनदार	1,40,000	1,20,000	बैंक	90,000	30,000
प्रस्तावित लाभांश	60,000	70,000			
	7,40,000	**8,70,000**		**7,40,000**	**8,70,000**

© NCERT not to be republished

अतिरिक्त जानकारी :

मशीन की लागत 80,000 रु. है तथा उस पर संचित मूल्यह्रास 50,000 रु. था और (वह 20,000 रु. में बेची गई।)

[**उत्तर:** प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह 1,80,000 रु.
निवेश क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह (2,60,000) रु.
वित्तीय क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह 20,000 रु.]

8. टाइगर सुपर लिमिटेड के निम्नलिखित तुलन पत्र से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

तुलन पत्र

दायित्व	*2005* (रु.)	*2006* (रु.)	*परिसंपत्तियाँ*	*2005* (रु.)	*2006* (रु.)
समता अंश पूँजी	80,000	1,20,000	ख्याति	24,000	18,800
10% अधिमान अंशपूँजी	40,000	20,000	भूमि व भवन	40,000	20,000
सामान्य आरक्षित	8,000	12,000	सयंत्र	36,000	76,400
लाभ व हानि खाता	7,200	10,800	विनियोग	4,000	14,000
प्रस्तावित लाभांश	11,200	15,600	देनदार	30,000	43,200
प्राप्य विपत्र	14,000	21,200	स्टॉक	34,000	31,200
बकाया व्यय	3,200	2,400	रोकड़	6,800	11,200
कराधान हेतु प्रावधान	11,200	12,800			
	1,74,800	**2,14,800**		**1,74,800**	**2,14,800**

अतिरिक्त जानकारी

चालू वर्ष में भूमि एवं भवन पर मूल्यह्रास प्रभार 20,000 रु. है तथा संयंत्र पर 10,000 रु. है।

[**उत्तर:** प्रचालन क्रियाकलाप से राकेड़ प्रवाह 34,800 रु. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (50,400) रु. वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह 20,000 रु.]

9. निम्नलिखित जानकारी से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए–

तुलन पत्र

दायित्व	*2004* रु.	*2005* रु.	*परिसंपत्तियाँ*	*2004* रु.	*2005* रु.
समता अंश पूँजी	5,00,000	7,00,000	रोकड़/बैंक	3,00,000	4,00,000
8% ऋण-पत्र	6,00,000	4,00,000	विविध देनदार	4,00,000	6,00,000
लाभ व हानि खाता	3,00,000	5,00,000	स्टॉक	5,00,000	6,00,000
लेनदार	6,00,000	9,00,000	ख्याति	2,50,000	1,70,000
			ऋण-पत्रों पर बट्टा	50,000	30,000
			संयंत्र	5,00,000	7,00,000
	20,00,000	**25,00,000**		**20,00,000**	**25,00,000**

© NCERT not to be republished

अतिरिक्त जानकारी

[**उत्तरः** प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह 80,000 रु. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (2,80,000) रु. वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह कुछ नहीं]

10. निम्नलिखित जानकारी से योगिता लि॰ के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

तुलन पत्र

दायित्व	*2005* रु.	*2006* रु.	*परिसंपत्तियाँ*	*2005* रु.	*2006* रु.
समता अंश पूँजी	2,00,000	3,00,000	बैंक	45,000	–
अधिमान अंश पूँजी	–	1,00,000	नकद	5,000	–
लाभ व हानि खाता	1,00,000	2,00,000	स्टॉक	1,00,000	1,70,000
कर्ज (ऋण)	2,00,000	–	प्राप्य विपत्र	50,000	1,00,000
कराधान हेतु प्रावधान	30,000	50,000	स्थिर परिसंपत्तियाँ	4,00,000	7,00,000
देय बिल	50,000	70,000			
बैंक अधिविकर्ष	–	1,00,000			
राहुल से कर्ज	20,000	1,50,000			
	6,00,000	**9,70,000**		**6,00,000**	**9,70,000**

अतिरिक्त जानकारी

50,000 रु. मूल्यह्रास के रूप में प्राप्ति करने के पश्चात् निवल लाभ 1,50,000 रु. है। अंशों पर लाभांश भुगतान 50,000 रु. किया गया, वर्ष के दौरान कर प्रावधान की राशि 60,000 रु. थी।

[**उत्तरः** प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह 2,20,000 रु. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (3,50,000) रु. वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (80,000) रु.]

11. निम्नलिखित वित्तीय विवरण गरिमा लिमिटेड के हैं, इनके आधार पर रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

31 दिसम्बर, 2006 को तुलन पत्र

दायित्व	*2005* रु.	*2006* रु.	*परिसंपत्तियाँ*	*2005* रु.	*2006* रु.
समता अंश पूँजी	2,00,000	3,00,000	संयंत्र व मशीनरी	2,00,000	3,64,000
अधिमान अंश पूँजी	80,000	1,40,000	स्टॉक	60,000	1,60,000
लेनदार	56,000	1,56,000	देनदार	20,000	80,000
कराधान हेतु प्रावधान	4,000	12,000	बैंक	80,000	28,000
लाभ व हानि खाता	28,000	40,000	पूर्वदत्त व्यय	8,000	16,000
	3,68,000	**6,48,000**		**3,68,000**	**6,48,000**

© NCERT not to be republished

लाभ व हानि खाता
31 दिसम्बर 2006 वर्ष की समाप्ति पर

प्राप्तियाँ	*राशि* रु.	*भुगतान*	*राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक	60,000	विक्रय	5,00,000
क्रय	4,92,000	अंतिम स्टॉक	1,60,000
सकल लाभ शेष आ/ले	1,08,000		
	6,60,000		6,60,000
वेतन	44,000	सकल लाभ शेष आ/ले	1,08,000
मूल्यह्रास	32,000		
कर हेतु प्रावधान	16,000		
निवल लाभ	16,000		
	1,08,000		**1,08,000**
लाभांश	4,000	शेष आ/ला	28,000
शेष आ/ले	40,000	निवल लाभ आ/ला	16,000
	44,000		**44,000**

[**उत्तर:** प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह (प्रवाह प्रयुक्त) 12,000 रु.
निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह 1,96,000 रु.
वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह 1,56,000 रु.

12. निम्नलिखित तुलन पत्र कंप्यूटर इंडिया लि॰ का है:

(लाख में)

दायित्व	*2004* रु.	*2005* रु.	*परिसंपत्तियाँ*	*2004* रु.	*2005* रु.
समता अंश पूँजी	40,000	50,000	स्थिर परिसंपत्तियाँ	41,000	40,000
लाभ व हानि खाता	1,000	1,200	घटाया– मूल्यह्रास हेतु प्रावधान	11,000	15,000
सामान्य आरक्षित	2,000	2,500		**30,000**	**25,000**
10% मूल्यह्रास	6,000	6,500	देनदार	20,000	24,000
विविध लेनदार	12,000	11,000	स्टॉक	30,000	35,000
कराधान हेतु प्रावधान	3,000	4,200	पूर्वदत्त व्यय	300	500
प्रस्तावित लाभांश	5,000	5,800	नकद	1,200	3,500
बैंक अधिविकर्ष	12,500	6,800			
	81,500	**88,000**		**81,500**	**88,000**

© NCERT not to be republished

अतिरिक्त जानकारी

ऋण-पत्रों पर 600 रु. ब्याज भुगतान किया गया

[**उत्तर:** प्रचालन क्रियाकलाप से रोकड़ प्रवाह (2,100) रु.
निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (1,000) रु.
वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह (4,900) रु.]

परियोजना कार्य

1. सूचीबद्ध तीन कंपनियों (मान लीजिए अरविंद मिल्स, इंफासेस, टिस्को आदि) की वार्षिक रिपोर्ट में दिए गए रोकड़ प्रवाह विवरण को पढ़िए एवं विश्लेषण कीजिए तथा अभिनिश्चित कीजिए कि:
   (i) प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह को परिकलित करने के उद्देश्य हेतु कौन सी विधि (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष) प्रयुक्त की गई।
   (ii) विशिष्ट मदों-जैसे कि लाभांश कर, स्थिर परिसंपत्ति की बिक्री पर लाभ-हानि, असाधारण मदों पर मूल्यह्रास आदि का निरूपण
   (iii) क्या सभी कंपनियों ने रोकड़ प्रवाह विवरण हेतु एक समान फामूले (सूत्र) को अपनाया या भिन्न-भिन्न।
   (iv) आपके अनुसार कंपनियाँ अपनी वार्षिक रिपोर्ट में रोकड़ प्रवाह विवरण कहाँ पर सही प्रकाश डालते हुए दर्शाती हैं?
2. "प्रत्येक उद्यम को निश्चित अनिवार्यता के साथ रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार एवं प्रस्तुत करना होता है" इस कथन के औचित्य पर कक्षा में चर्चा कीजिए।
3. आपने मैड्रिड लि॰ के पिछले तीन वर्षों के रोकड़ प्रवाह विवरणों का विश्लेषण किया है और पाया कि:
   (i) वर्षों-वर्ष रोकड़ एवं तुल्यराशियों में निवल वृद्धि हुई है।
   (ii) हालांकि, प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह हर समय नकारात्मक रहा है। उपर्युक्त स्थिति का संभावित कारण क्या हो सकता है। कंपनी की कार्य प्रणाली के बारे में आपके क्या विचार है।

स्वयं जाँचिये हेतु जाँच सूची

स्वयं जाँचिये-1

उत्तर : (अ) प्रचालन क्रियाकलाप- 3, 6, 7, 10, 13, 15, 19, 20, 23, 24, 27;
(ब) निवेश क्रियाकलाप – 1, 5, 8, 11, 12, 16, 17, 21, 22, 29;
(स) वित्तीय क्रियाकलाप – 2, 4, 9, 14, 18, 25, 26, 28;
(द) रोकड़ तुल्यराशियाँ – 30, 31, 32, 33.

स्वयं जाँचिए-2

उत्तर :1. 40,000 रु., 2. 60,000 रु., 3. से कटौती
4. से कटौती, 5. जोड़ने हेतु (जोड़) 7. जोड़ने हेतु (जोड़ें)

उत्तर :1. +, 2. एन सी, 3. +, 4. -, 5. +, 6. एन सी, 7. -, 8 +, 9. एन सी, 10 -, 11 -, 12 +

© NCERT not to be republished

परिशिष्ट-1

ग्रासिम ईंडस्ट्रिज लिमिटेड
31 मार्च, 2000 वर्ष के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण

रु. करोड़ में

	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	
क. प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह				
अ. कर से पूर्व निवल लाभ तथा उपवादी मदें	1201.90		1361.36	
समायोजन हेतु				
मूल्यह्रास	291.64		284.57	
ब्याज व्यय	97.32		138.76	
ब्याज आय	(29.48)		(75.38)	
लाभांश आय	(38.04)		(39.37)	
निपटान हेतु धारित परिसंपत्तियों को मूल्य में लिखना	—		7.00	
स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ-हानि (निवल)	3.99		(2.25)	
दीर्घकालिक निवेशों की बिक्री पर लाभ (निवल)	(62.57)		(24.90)	
चालू निवेशों की बिक्री पर लाभ	(7.27)		(3.37)	
ब. पूँजी में बदलाव से पूर्व प्रचालन लाभ	1457.49		1646.42	
समायोजन हेतु				
व्यापार एवं अन्य प्राप्य	116.66		(78.33)	
मालसूची	(72.14)		(219.13)	
निपटान हेतु धारित परिसंपत्तियाँ	0.97		1.84	
व्यापार देय	159.70		90.96	
स. प्रचालन से जनित रोकड़	1662.68		1441.76	
प्रत्यक्ष कर प्रदत्त (निवल)	(380.42)		(391.30)	
अपवादी मदों से पूर्व प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़	1282.26		1050.46	
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल रोकड़		1282.26		1050.46
ख. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह				
स्थिर परिसंपत्तियों की खरीद	(408.80)		(301.75)	
स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री	9.29		19.71	
निवेशों की खरीद	(502.03)		(75.41)	
निवेशों की बिक्री	72.19		669.49	
संयुक्त उद्यम सहायक एवं अन्य में निवेश/पेशगी	(119.31)		(1294.14)	
ब्याज प्राप्तियाँ	29.11		74.29	
लाभांश प्राप्ति	38.04		39.37	
निवेश क्रियाकलापों से (प्रयुक्त) निवल रोकड़		(881.51)		(868.44)

© NCERT not to be republished

ग. वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह				
उधारों से प्राप्तियाँ	128.25		326.40	
उधारों की चुकौती	(181.58)		(354.13)	
ब्याज प्रदत्त (चुकता)	(112.71)		(150.11)	
लाभांश प्रदत्त	(145.25)		(128.19)	
निगम लाभांश कर	(20.58)		(16.77)	
वित्तीय क्रियाकलापों से (प्रयुक्त) रोकड़ प्रवाह		(331.87)		(322.80)
घ. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों में निवल वृद्धि/(कमी)		68.88		(140.78)
वर्ष के प्रारंभ में रोकड़ तुल्यराशियाँ		86.70		227.48
वर्ष के अंत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ (रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों का प्रतिनिधित्व रोकड़ एवं बैंक शेष)		155.58		86.70

टिप्पणी:

1. पूर्व वर्षों के आंकड़ों को पुनः समाहित किया गया/आवश्यकतानुसार सुधारा गया।

© NCERT not to be republished

परिशिष्ट-2

यूकेल फ्यूल स्टिम लिमिटेड
31 मार्च, 2000 वर्ष समाप्ति हेतु रोकड़ प्रवाह विवरण

	31.3.2006 की समाप्ति हेतु		31.3.2005 की समाप्ति हेतु
		रु. *'000*	
क. प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह			
कर से पूर्व निवल लाभ तथा उपवादी मदें	241,438		359,488
समायोजन हेतु			
विविध व्यय बट्टा खाते में	12,826		3,330
मूल्यह्रास/परिसंपत्तियाँ समाप्त	129,948		134,530
ब्याज आय	(2,285)		(3,185)
लाभांश आय	(12,910)		(12,590)
ब्याज व्यय	59,968		4,634
कार्य पूँजी में बदलाव से पूर्व प्रचालन लाभ	428,985		486,207
समायोजन हेतु			
देनदार	30,912		44,225
मालसूची	10,620		(53,446)
ऋण एवं पेशगी (अग्रिम)	30,051		(44,039)
व्यापार देय	26,337		(76,138)
पूर्व आवधिक समायोजन	671		323
प्रचालनों से जनित रोकड़	527,576		357,132
आयकर - प्रदत्त	(90,594)		(92,962)
प्रचालन क्रियाकलापों "क" से निवल रोकड़	436,982		264,170
ख. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह			
स्थिर परिसंपत्तियों की खरीद	(85,586)		(221,417)
उत्पाद विकास एवं अनुसंधान व्यय	(71,238)		(71,133)
क्रियमाण कार्य पूँजी	(46,346)		146,329
स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री	3,154		4,091
निवेशों की बिक्री	281,120		4,750
निवेशों की खरीद	(1,068,690)		(35,000)
ब्याज प्राप्ति	3,355		2,837

not to be republished © NCERT

लाभांश प्राप्ति	12,909	12,590
प्रचालन क्रियाकलापों "ख" से निवल रोकड़	(971,322)	(156,953)
ग. वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
उधारों/ऋण की चुकौती से प्राप्तियाँ	686,633	(44,251)
लाभांश कर सहित लाभांश प्रदत्त (चुकता)	(79,225)	(62,777)
ब्याज प्रदत्त	(61,456)	(4,294)
वित्तीय क्रियाकलापों "ग" में प्रयुक्त निवल रोकड़	545,952	(111,322)
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों में वृद्धि		
क+ख+ग	11,612	(4,105)
वर्ष के प्रारंभ में रोकड़ व रोकड़ तुल्यराशियाँ	62,950	67,055
वर्ष के अंत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ	74,562	62,950

© NCERT not to be republished

परिशिष्ट-3

स्टेरलाइट आप्टिकल टेक्नोलीजज़ लि॰
31 मार्च, 2000 वर्ष समाप्ति हेतु रोकड़ प्रवाह विवरण

		2006 (मिलियन में रु.)	2005 (मिलियन में रु.)
क. प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह			
कर के बाद निवल लाभ-लाभ व हानि खातानुसार	407.66		102.20
कराधान हेतु समायोजन	(26.10)		0.32
		381.56	102.52
समायोजन हेतु:			
- मूल्यह्रास	289.92		266.76
- निवेश बट्टे खाते में तथा निवेश बिक्री में हानि	-		0.41
- ब्याज व्यय (निवल)	161.36		104.12
- परिसंपत्तियों की बिक्री पर (लाभ)	(1.49)		2.52
- अस्थगित बिक्री कर देनदारियों के पूर्व भुगतान पर लाभ	(146.60)		-
- प्रावधान एवं बट्टाखाता	-		16,80
		303.19	
कार्य पूँजी में बदलाव से पूर्व प्रचालन लाभ		684.75	493.13
समायोजन हेतु			
- व्यापार एवं अन्य प्राप्यों में (वृद्धि)/कमी	(661.23)		(777.17)
- मालसूची में (वृद्धि)/कमी	(85.14)		(83.02)
- व्यापार देयों में (वृद्धि)/(कमी)	(161.14)	(907.51)	941.55
प्रचालन से जनित रोकड़		(222.76)	574.49
(चुकता/टीडीएस कटा) वापसी प्राप्ति		(35.25)	13.68
प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		(258.01)	588.17
ख. निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह			
स्थिर परिसंपत्तियों की खरीद (क्रियामाण कार्य पूँजी सहित)		(48.95)	(67.81)
स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री से प्राप्तियाँ		3.21	14.48
निवेश की (खरीद)/बिक्री		(0.05)	-
बैंक मियादी जमा में निवेश		(491.64)	-
लंबित आवंटन आवेदन राशि प्रदत्त		(24.95)	-
सहायक कंपनियों से ब्याज प्राप्ति		15.99	19.65
सहायक कंपनियों से ऋण		(100.83)	(95.58)

© NCERT not to be republished

निवेश क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह	(647.22)	(129.26)
ग. वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह		
आरक्षित ऋणों (निवल) को (चुकौती)प्राप्तियाँ	1,175.73	(89.92)
अधिमान इक्विटी व अंश ख्याति की प्राप्तियाँ/(चुकौती)	336.00	-
असुरक्षित ऋणों (निवल) की प्राप्तियाँ/(चुकौती)	(117.62)	(120.71)
ब्याज प्रदत्त	(163.43)	(123.77)
अदावी लाभांशों का भुगतान	(0.03)	(0.09)
वित्तीय क्रियाकलापों से निवल रोकड़ प्रवाह	1,230.65	(334.49)
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियों में निवल वृद्धि	325.42	124.42
वर्ष के अंत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ	137.66	13.24
वर्ष की शुरूआत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यराशियाँ	463.08	137.66

© NCERT not to be republished